हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 49 देहरादून, बृहस्पतिवार, 10 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

दाखिल खारिज का विशेष कैम्प फरियादियों के लिए बना वरदान, डीएम सोनिका का अभिनव प्रयोग 8

आपदा पर अलर्ट हैं धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतिवृष्टि की जानकारी ली। उन्होंने सभी जिलाधि-कारियों को अतिवृष्टि के दृष्टिगत जिला प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखने एवं आपदा के दृष्टिगत सभी सहयोगी संस्थाओं से निरंतर समन्वय बनाये रखने के निर्देश दिये ताकि किसी भी प्रकार की आपदा में राहत एवं बचाव कार्य तेजी से हो सके। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग, पौड़ी, नैनीताल एवं उधमसिंह नगर से फोन पर वार्ता करते हुए अतिवृष्टि और जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों के लोगों के लिए पहले से सभी समुचित व्यवस्थाएं रखी जाएं।

मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन को निर्देश दिये कि जिलाधिकारियों से निरन्तर सम्पर्क बनाये रखें आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत जनपदों को जो भी आवश्यकताएं हैं, शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिवृष्टि के कारण सड़क, पेयजल, विद्युत एवं अन्य चीजें बाधित होने की स्थिति में ये सभी व्यवस्थाएं यथाशीघ्र शुरू की जाए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा, विनय शंकर पाण्डेय, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिद्धिम अग्रवाल एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लिये दी वित्तीय स्वीकृति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत जनपद उधमसिंह नगर के सितारगंज विकासखण्ड हेतु 01 करोड़ रूपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के रूप में 60.00 लाख रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जनपद उत्तरकाशी के विधानसभा क्षेत्र पुरोला के नगर पंचायत पुरोला क्षेत्रान्तर्गत वार्ड नं. 1, 2 एवं 3 के आन्तरिक मार्गों के निर्माण कार्यों हेतु 39.20 लाख रूपये, जनपद अल्मोड़ा के सोमेश्वर में पौराणिक मंदिर जयन्ती कोट में विद्युती-करण का कार्य किये जाने हेतु 11.76 लाख रूपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

'विश्व आदिवासी दिवस' की हार्दिक बधाई : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी आदिवासी भाई-बहनों के अधिकारों को संरक्षित करने एवं उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य के लिये समर्पित 'विश्व आदिवासी दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि विविधतापूर्ण जनजातीय संस्कृति हमारे समाज की महत्वपूर्ण विरासत है। आदिवासियों की प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित कर जीवन जीने की कला अत्यंत सराहनीय एवं अनुकरणीय है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के क्षेत्र में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध आदिवासी नेता बिरसा मुण्डा के चित्र पर माल्यार्पण कर उनका भावपूर्ण स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

वोटर टर्नआउट को बढ़ाने के लिए जनजागरूकता ज़रूरी : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 अगस्त , मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ वी षणमुगम ने वोटर जागरूकता के लिए स्वीप (SVEEP) गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि वोटर टर्नआउट को बढ़ाने के लिए विभिन्न माध्यमों से लोगों को वोट के महत्व की जानकारी दी जाए।मुख्य निर्वाचन अधिकारी सचिवालय में स्वीप की राज्य स्तरीय कोर कमेटी की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि युवा, बुजुर्ग, महिला सभी वर्गों तक वोटर जागरूकता के कार्यक्रम पहुंचें। विशेष रूप से वोटर जेंडर गैप को कम करने पर फोकस करना है। अलग अलग टारगेट ग्रुप के लिए हमारे वोटर जागरूकता कार्यक्रमों की अलग अलग रणनीति हो। हमें लोगों को जागरुक भी करना है, उनकी सहभागिता भी बढ़ानी है और उनके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विशेष सुविधाओं की जानकारी भी देनी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करें। खासतौर पर जनता से सीधे जुड़े विभाग इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रताप शाह, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तूदास, स्वीप के नोडल अधिकारी असलम सहित विभिन्न विभागों, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, दूरदर्शन, स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इतने इंच से लंबा चाकू रखा तो होगी जेल, जानें कानून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 अगस्त , चाकू का इस्तेमाल हर घर में होता है. हालांकि ज्यादातर घरों में ये इस्तेमाल सब्जी काटने के लिए होता है, लेकिन कुछ घरों में लोग थोड़ा बड़ा चाकू भी रखते हैं. दरअसल , कटहल और सूरन जैसी सब्जियों को काटने के लिए थोड़े बड़े चाकू की जरूरत पड़ती है. लेकिन but ये चाकू कितने बड़े होंगे क्या आपको ये पता है. ?

कई डॉक्यूमेंट्स और होती है एलआईयू जाँच ?

क्या आप जानते हैं कि एक तय आकार से ज्यादा बड़ा चाकू रखना भारत में गैरकानूनी है. ? अगर नहीं तो आज आपको हम इसी से जुड़े कुछ फैक्ट्स बताते हैं। आपको बतायेंगे कि अगर आप बड़ा चाकू रखना चाहते हैं तो कानून के मुताबिक उसके लिए लाइसेंस कैसे बनवा सकते हैं. भारतीय कानून के मुताबिक आप अपने घर में 6 इंच से ज्यादा बड़ा चाकू नहीं रख सकते हैं. अगर आपके घर में 6 इंच से बड़ा चाकू पाया जाता है और आपके पास इसका लाइसेंस नहीं है तो ये कानूनन अपराध माना जाएगा और इसके लिए आपको 6 महीने की सजा हो सकती है.

साभार - सो. मी.

इसके साथ ही आप पर जुर्माना भी लग सकता है. तो अगर आपके घर में या किचन में 6 इंच से बड़ा चाकू है तो सबसे पहले आप इसका लाइसेंस बनवाएं या उसे अपने घर से दूर कर दें. क्योंकि अगर किसी ने इसकी शिकायत कर दी और पुलिस ने आपके पास से इतना बड़ा चाकू बरामद कर लिया तो आपको सजा हो सकती है.चाकू और तलवार का लाइसेंस एक जैसा ही होता है. यानी दोनों के लाइसेंस की प्रक्रिया एक ही होती है.

अगर आप किसी बड़े चाकू या तलवार का लाइसेंस बनवाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने जिला अधिकारी के ऑफिस जाना होगा. या तो फिर जिस शहर में कमिश्नरी सिस्टम चल रहा हो वहां के निवासी पुलिस आयुक्त के ऑफिस में भी जाकर आप आवेदन कर सकते हैं. हालांकि इस बात का ख्याल आपको जरूर रखना है कि आप जब भी लाइसेंस के लिए आवेदन करें तो उसमें इस बात का जिक्र जरूर करें कि आपको हथियार की जरूरत क्यों पड़ रही है. इसके साथ ही आपको अपना फिटनेस सर्टिफिकेट यहां लगाना होगा.

जब लाइसेंस के लिए आपका आवेदन हो जाता है तो उसके बाद तीन जगहों से आपकी रिपोर्ट मांगी जाती है. इसमें सबसे पहले आपके आवेदन को आपके नजदीकी पुलिस थाने और एसडीएस ऑफिस भेजा जाता है. फिर खुफिया विभाग से भी आपकी रिपोर्ट मांगी जाती है. यह सब जांच इसलिए होते हैं ताकि आवेदक का कैरेक्टर कैसा है अगर इसे लाइसेंस दिया गया तो वो इसका गलत इस्तेमाल तो नहीं करेगा, इसकी भी जांच होती है.

हालांकि ये भी पता लगाया जाता है कि कहीं आवेदक पर पहले से कोई मुकदमा तो नहीं दर्ज है, और उसकी मानसिक स्थिति पूरी तरह से ठीक है या नहीं इसकी भी जांच होती है. जब यह सब क्लीयर हो जाता है तो उसके बाद ही जिलाधिकारी या पुलिस कमिश्नर लाइसेंस जारी करने का फैसला लेते हैं. लेकिन एक बार लाइसेंस मिलने के बाद इसकी समयावधि 5 साल की होती है. इसके साथ ही हर साल लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए आपको सौ रुपये प्रति साल जमा कराने पड़ते हैं.

करवा रहे हैं ट्रेन टिकट कैंसिल तो पहले जान लें ये नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : भारतीय ट्रेन से रोजाना एक बड़ी संख्या में लोग एक जगह से दूसरी जगह के लिए सफर करते हैं। 24 घंटे सातों दिन चलने वाली ट्रेनें लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचती है। बस अगर आप ट्रेन में यात्रा करना चाहते हैं, तो आपको ट्रेन टिकट लेना पड़ता है और इसके बाद आप यात्रा कर पाते हैं। पर कई बार यात्रियों को कई कारणों की वजह से अपने ट्रेन टिकट को कैंसिल करवाना पड़ता है। ऐसे में या तो कई बार आधे से भी ज्यादा पैसे कट जाते हैं या फिर कभी कुछ रिटर्न ही नहीं आता है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ट्रेन टिकट कैंसिल करवाने से पहले आप भारतीय रेलवे के नियमों के बारे में जान लें, जिससे आपको ट्रेन टिकट कैंसिल करवाने में ठीक पैसे वापस मिल सके।

अगर 48 घंटे पहले आप टिकट कैंसिल करते हैं, तो इतना कैंसिलेशन चार्ज देना पड़ता है,

फर्स्ट/एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 240 रुपये कैंसिलेशन चार्ज कटता हैएसी 2 टियर/फर्स्ट क्लास के लिए 200 रुपये कैंसिलेशन चार्ज देना होता हैएसी 3 टियर/एसी चेयर कार/एसी 3 इकोनॉमी के लिए 180 रुपये कैंसिलेशन चार्ज कट जाता हैस्लीपर के लिए 120 रुपये और सेकंड क्लास के लिए 80 रुपये कैंसिलेशन चार्ज लगता है।यही नहीं, अगर आप निर्धारित डिपार्चर से 12 घंटे पहले ट्रेन टिकट कैंसिल करवाते हैं, तो ऐसी स्थिति में आपका कैंसिलेशन चार्ज न्यूनतम फ्लैट रेट के किराए का 25% होता है , दूसरी तरफ अगर आप अपने ट्रेन टिकट को किन्हीं कारणों से 12 घंटे से कम और 4 घंटे से पहले तक कैंसिल करवाते हैं, तो आपका 50 फीसदी कैंसिलेशन चार्ज कटता है।

आप ट्रेन में यात्रा करने के लिए कई तरीके के टिकट बुक करवा सकते हैं, जिसमें से एक है तत्काल ट्रेन टिकट सुविधा। अगर आप बुक किए हुए कंफर्म तत्काल ट्रेन टिकट को कैंसिल करते हैं, तो इसका आपको कोई रिफंड नहीं मिलता है।यहां ये भी जान लीजिए कि जब आप तत्काल ट्रेन टिकट बुक करते हैं, तो दो तरह के टिकट बुक हो सकते हैं। पहला कंफर्म तत्काल और दूसरा वेटिंग तत्काल टिकट। ऐसे में अगर आप वेटिंग लिस्ट वाले तत्काल ट्रेन टिकट को कैंसिल करवाते हैं, तो इस पर कुछ चार्ज कटता है। वहीं, तत्काल ई-टिकट को आंशिक रूप से कैंसिल करने की अनुमति होती है।

साभार गूगल

मारधाड़ वाले गेम और मूवी बच्चे का दिमाग कर सकते हैं खराब, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : पहले जहां बच्चों के पास खेलने के लिए बस गुड्डे गुड़िया और रेल या कार वगैरह होती थीं, वहीं अब बच्चों के खेलने के लिए कई खिलौने आ गए हैं। अब बच्चे वीडियो गेम खेलते हैं और उनके पास रोबोट या कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं। हालांकि, पैरेंट्स को अपने बच्चे को कोई भी खिलौना थमाने से पहले ये जान लेना चाहिए कि उस पर इस टॉय का क्या असर पड़ेगा। इस आर्टिकल में हैदराबाद के केयर हॉस्पिटल की साइकेट्रिस्ट डॉक्टर मजहर अली बता रहे हैं कि बच्चों को आक्रामक यानि वायलेंट खिलौने देने से क्या असर होता है।

डॉक्टर मजहर ने बताया कि बच्चों को वायलेंट गेम, कार्टून और मूवी दिखाने को लेकर रिसर्च और चर्चा चल रही है। इस बात पर स्पष्ट तौर से कुछ कहा नहीं जा सकता है। बच्चों पर वायलेंट खिलौने के प्रभाव को जानने के लिए कई चीजों को समझने की जरूरत है। टॉडलर बच्चे जो भी देखते हैं, उसका उन पर बहुत असर पड़ता है। इस स्टेज पर उनका तेजी से कॉग्नीटिव विकास

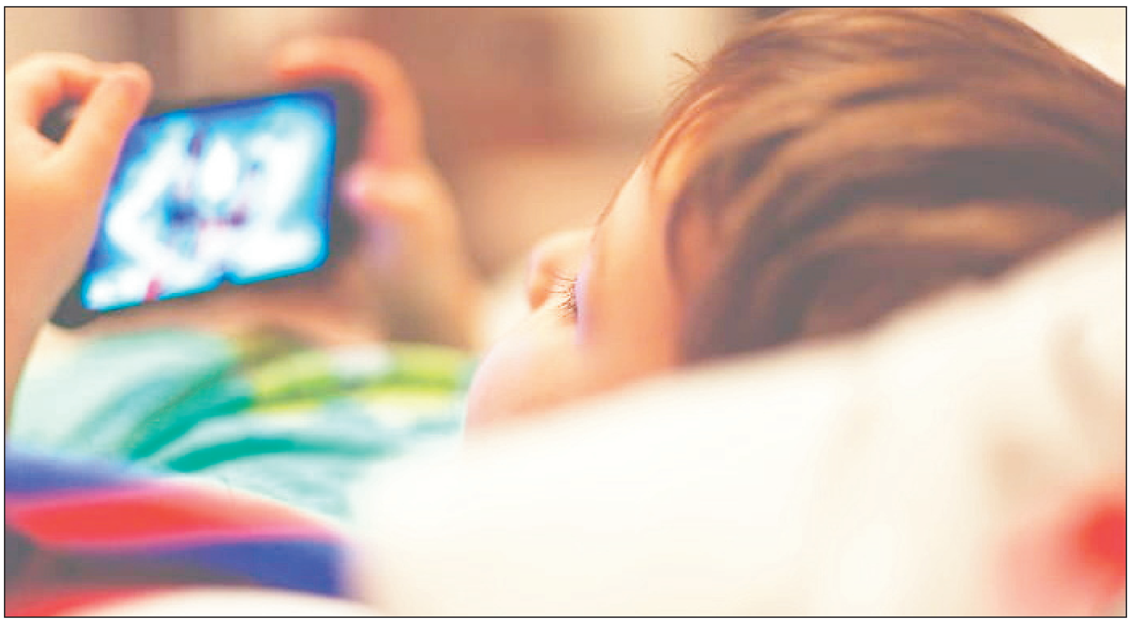

हो रहा होता है। वो सपनों की दुनिया और असलियत में फर्क करना नहीं जानते हैं।जब बच्चे को पता नहीं होता है कि वो जो देख रहा है, वो सच है या झूठ, तब वो भी टीवी या गेम में दिखाए जा रहे वायलेंस को अपनाने लगता है और उसे इसके परिणामों तक के बारे में पता नहीं होता है। हालांकि, माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि बच्चे के व्यवहार को विकसित करने में उनकी अहम भूमिका होती है। बच्चों से खुलकर बात कर के और उन्हें सही चीजें और कार्टून दिखाकर, पेरेंट्स अपने बच्चों को किसी भी तरह के नेगेटिव प्रभाव से बचा सकते हैं।

डॉक्टर मजहर कहते हैं कि एक्सपर्ट्स भी यही राय देते हैं कि टॉडलर बच्चों को वायलेंट कंटेंट कम दिखना चाहिए और उन्हें इसके बजाय उनकी उम्र के हिसाब से, एजुकेशनल और नॉन वायलेंस मीडिया वाली चीजें देखनी चाहिए। इसके अलावा बच्चों को ऐसी चीजें दिखाई जो उनके कॉग्नीटिव और इमोशनल डेवलपमेंट में मदद करे।इस मामले में पेरेंट्स इस बात का भी ध्यान रखें कि हर बच्चा अलग होता है। बच्चे का गुस्सा, परवरिश और मां-बाप का मार्गदर्शन भी इस बात को प्रभावित करता है कि बच्चे पर मीडिया का क्या असर पड़ रहा है। इसलिए हो सकता है कि जो चीज एक बच्चे को किसी तरह से प्रभावित कर रही है, वो दूसरे बच्चे पर कैसे असर ना करे। इन चीजों से बच्चे को बचाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों के लिए ऐसा माहौल बनाना चाहिए जहां वो सुरक्षित महसूस करे और अपने मन की बात अपने पेरेंट्स से शेयर कर सके। बच्चों के सामने हेल्दी मीडिया से जुड़ी चीजें पेश करें, जो उनके कॉग्नीटिव विकास में मदद करें

दाखिल खारिज का विशेष कैम्प फरियादियों के लिए बना वरदान, डीएम सोनिका का अभिनव प्रयोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 अगस्त , तहसीलों में वादों का त्वरित गति से निस्तारण होने पर जनमानस के मध्य जिलाधिकारी सोनिका की अभिनव पहल विशेष कैम्प दाखिल खारिज को सराया जा रहा है। वर्षों से अपने लम्बित वाद को लेकर जहां फरियादियों में निराशा का भाव आए दिन तहसील परिसरों देखा जाता था। जिलाधिकारी की इस अभिनव पहल से सभी जनमानस में प्रसंशा का भाव साफ देखा जा सकता है। शिविर के दौरान फरियादियों द्वारा धन्यवाद ज्ञापित के साथ जिला प्रशासन को शुभकामनाएं देते नजर आए। जिलाधिकारी की इस पहल से अभी तक तहसील सदर, डोईवाला एवं विकासनगर में 3822 वादों का निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी सोनिका की यह अभिनव पहल 01 अगस्त 2023 से तहसील सदर में तहसील दिवस के दिन शुभारम्भ किया गया पहले ही दिन 2225 अविवादित दाखिल खारिज, 50 विरासत निस्तारण तथा 10 अन्य वाद जो वर्षों से लम्बित चल रहे थे उनका निस्तारण किया गया। यह ही नही जिलाधिकारी स्वयं अपर तहसीलदार न्यायालय में पंहुचकर सम्बन्धित पटल से फरियादियों की पत्रावली ढूंढकर निस्तारण करवाया। वहीं 30 अगस्त 2023 को जिलाधिकारी तहसील विकास में विशेष कैम्प दाखिल खारिज का आयोजन करवाकर 1217 राजस्व वादों का निस्तारण किया जिसमें 1155 दाखिल खारिज, 3 विवादित दाखिल खारिज, 55 विरासतन तथा 04 अन्य वादों का मौके पर निस्तारण करवाकर लोगों के मध्य प्रशासन का विश्वास बढाया। इसी प्रकार 08 अगस्त को तहसील सदर एवं तहसील डोईवाला में विशेष कैम्प दाखिल खारिज का आयोजन किया गया।

तहसील सदर में जिलाधिकारी ने प्रतिभाग करते हुए लोगों की फरियाद को सुना तथा निस्तारण करवाया। जिसमें तहसील सदर में 770 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें 610 अविवादित दाखिला खारिज तथा 150 विरासतन व 10 विवादित वाद शामिल है। तहसील डोईवाला में दाखिल खारिज धारा 34 निर्विवाद के 525 वादों तथा विवादित 3 वादों का निस्तारण किया गया। कैंप में मृतक भूमिधर के वारिसान दर्ज करने के प्रकरणों में धारा 33 क के अंतर्गत 71 वादों का निस्तारण किया गया। विशेष कैंप में धारा 33 / 39 के अंतर्गत 2 प्रकरणों तथा प क 23 के अंतर्गत 14 प्रकरणों में शुद्धि की कार्यवाही करते हुए निस्तारण किया गया । जिलाधिकारी ने अधिकारियों कर्मचारियों को जनमानस से मधुर व्यवहार करते हुए उनकी समस्यांओं को गंभीरता से सुनते हुए निस्तारण करें।

महानगर कांग्रेस ने अगस्त क्रांति के अवसर किया कार्यक्रम का आयोजन

हरिद्वार। महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अगस्त क्रांति पर बैठक की। महानगर अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी, कार्यकारी अध्यक्ष अमन गर्ग ने कहा कि अगस्त 1942 में महात्मा गांधी ने अंग्रेजो भारत छो?ो आंदोलन शुरू किया था। पूरे देश में इस आंदोलन को व्यापक समर्थन मिला। पीसीसी सदस्य मुरली मनोहर, वरिष्ठ नेता इरफान ने कहा कि अगस्त क्रांति को हमेशा याद किया जाएगा। पार्षद राजीव भार्गव और ब्लॉक अध्यक्ष अमित नौटियाल ने कहा कि अगस्त क्रांति से हमें प्रेरणा मिलती है कि हम अपने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का याद कर उनके संघर्षों को भावी पीढ़ी को बताएं। पार्षद इसरार सलमानी, वरिष्ठ नेता सोम त्यागी ने कहा कि अगस्त क्रांति देश के असंख्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्ष का प्रतीक है। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष विमल शर्मा, विकास चंद्रा,पार्षद रियाज अंसारी, कैलाश प्रधान,भूपेंद्र पटुवर, ऋषभ वशिष्ठ ,अशोक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लघु व्यापारियों ने निकाली स्वाभिमान रैली

हरिद्वार। लघु व्यापारियों ने बुधवार को स्वाभिमान रैली निकालकर नगर आयुक्त के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। मुख्य सचिव के नाम संबोधित ज्ञापन में मांग की गई कि नगरीय फेरी नीति नियमावली की समीक्षा बैठक शासन स्तर पर आयोजित कर इसमें लघु व्यापारियों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा कि नगरीय फेरी नीति नियमावली के अनुसार शहरी क्षेत्र के विकास के लिए फेरी समितियों का गठन सभी नगर निगम में किया जा चुका है। लेकिन समय पर फेरी समिति के निर्णय धरातल पर नहीं उतरते हैं। इस कारण लघु व्यापारियों को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। रैली में पूनम माखन, कामिनी मिश्रा, पार्वती देवी, पुष्पा दास, सीमा देवी, सुनीता चौहान, मंजू पाल, मीरा देवी, संगीता, मनोज मंडल, राजकुमार एंथनी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

ऋण दिलाने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

हरिद्वार। लघु व्यापारियों ने नगर निगम स्तर से मिलने वाले ऋण दिलाने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगाया है। बुधवार को लघु व्यापारियों की स्वाभिमान रैली में शामिल दो लघु व्यापारियों ने इस प्रकार का आरोप लगाया है। नगर परियोजना प्रबंधक अंकित रमोला ने आरोपों का खारिज करते हुए कहा कि उनके किसी कर्मचारी ने किसी आवेदनकर्ता से कोई पैसा नहीं मांगा है। उन्होंने कहा कि शिकायत आयी है तो मामले की जांच अवश्य की जाएगी। लघु व्यापारियों की स्वाभिमान रैली बुधवार को नगर निगम परिसर में पहुंची तो वहां प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की कार्यशाला चल रही थी। कार्यशाला में लघु व्यापारियों को न बुलाने पर लघु व्यापारी नेता संजय चोपड़ा ने नाराजगी जतायी। इस दौरान लघु व्यापारियों ने केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मिलने वाले ऋण दिलाने के नाम पर नगर निगम में अवैध वसूली का आरोप भी लगाया। लघु व्यापारी मनोज ने बताया कि लोन दिलाने के नाम पर एक हजार रुपए तक की मांग की जाती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पैसे दिए नहीं। सुरेश ने बताया कि उनसे लोन दिलाने के नाम पर पांच सौ रुपए ले लिए गए लेकिन लोन भी नहीं मिला और पैसे भी चले गए।

डीएम दफ्तर जाने से रोके किसानों का हंगामा

हरिद्वार। ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर जिलाधिकारी कार्यालय में जाने से रोकने पर किसानों ने विकास भवन के बाहर ही सडक़ पर धरना देकर हंगामा किया। समझाने के लिए पहुंचे पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से किसानों की नोकझोंक भी हुई। कई घंटों के हंगामे के बाद डीएम से फोन पर वार्ता होने पर किसानों ने अपना ज्ञापन सौंपा। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) बड़ी संख्या में किसानों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से रोशनाबाद पहुंचे। पुलिस ने किसानों को विकास भवन के बाहर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर जिलाधिकारी कार्यालय जाने की मांग पर अ?े थे। पहले तो पुलिस की तरफ से पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली डीएम कार्यालय ले जाने पर सहमति बनी। लेकिन किसान सभी ट्रैक्टर ट्रॉली ले जाने पर अडिग रहे।

भाकियू अराजनैतिक ने नगराध्यक्ष परवेज नंबरदार का किया स्वागत

रुड़की। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के नगर अध्यक्ष परवेज नंबरदार का समर्थकों ने फूलमालाओं से स्वागत किया। इस दौरान पूर्व पालिका अध्यक्ष ने कहा कि परवेज नंबरदार किसानों की समस्याओं को जोरदार तरीके से उठाएंगे। पूर्व पालिका अध्यक्ष चौधरी इस्लाम के आवास पर संगठन के नगर अध्यक्ष नंबरदार का स्वागत किया गया। चौधरी इस्लाम ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। इसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंगलौर के अधिकतर किसानों की फसलें बारिश के कारण खराब हो चुकी हैं। सरकार जनपद को आपदाग्रस्त घोषित कर किसानों को उचित मुआवजा दिलाए।

शिविर में 175 लोगों ने कराई स्वास्थ्य की जांच

रुड़की। होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा विभाग की ओर से नगर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 175 लोगों की जांच कर जरूरी दवाएं दी गई। टीम ने आई फ्लू और डेंगू की जानकारी दी। इसके लक्षण, इलाज और बचाव के उपाय भी समझाए। हरिद्वार की प्रभारी होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूनम सिंह ने बताया किगन्ना समिति रोड के शक्ति मंदिर में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें फार्मासिस्ट सुभाष भारती, फार्मासिस्ट विनोद शर्मा, वार्ड ब्वाय अहसान अली, बिट्टू शर्मा, आशा सुषमा ने भी सहयोग दिया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को किए श्रद्धासुमन अर्पित

रुड़की। आरएनआई इंटर कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया।इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से नवीन शरण निश्चल का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने ब?-च?कर हिस्सा लिया इसके साथ ही फलदार पौधे रौपे।

संक्षिप्त खबरें

युवक का शांतिभंग में चालान

रुड़की।महिला के साथ मारपीट कर रहे युवक को पुलिस ने हिरासत में लेकर शांतिभंग की धारा में कार्रवाई करते हुए चालान किया। रायपुर गांव में एक युवक महिला के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट करने पर उतारू हो रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर शांतिभंग की धारा में चालान किया। थाना प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि सावन निवासी बडोली थाना बड़ागांव देवबंद जनपद सहारनपुर का शांतिभग में चालान किया गया है।

स्वतंत्रता सैनानियों के नाम शिला फलकम स्थापित किया

रुड़की। देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षाविद मुनीष कुमार सैनी ने किया। नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के नाम अंकित कर शिला फलकम की स्थापना एवं लोकापर्ण किया गया। यह कार्यक्रम 15 अगस्त तक जारी रहेगा। मुनीष सैनी ने प्रधानंमत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के वीरों के सम्मान में मनाये जा रहे मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के विषय के बारे में बताया। वहीं, अधिशासी अधिकारी आदेश कुमार ने निकाय क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों रघुनाथ, राजाराम, नरपत सिंह एवं हरीशचन्द के जीवन परिचय के बारे में जानकारी दी।

बिजली चोरी करने में एक पर केस

रुड़की। देहरादून ऊर्जा निगम की विजिलेंस टीम के एई विकास कुमार, रोबिन सिंह, धनंजय कुमार की टीम ने भट्टीपुर के जेई दिवाकर मौर्य के साथ जसोद्दरपुर गांव में छापा मारा। उन्होंने गांव के निसार पुत्र सुबराती के घर बिजली की चोरी पकड़ ली। जेई ने उसके खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

केंद्र की टीम ने जांचा लक्सर में बाढ़ से हुआ नुकसान

रुड़की। केंद्र की विशेष टीम ने डीएम के साथ लक्सर में बाढ़ प्रभावित रहे गांवों का दौरा किया। उन्होंने बाढ़ से खराब हुई फसलों को देखकर किसानो के नुकसान की जानकारी ली। टीम ने बताया कि नदी, नाले और पुलिया बंद होने से बरसाती पानी की निकासी नहीं हो सकी है। इसीलिए बाढ़ से नुकसान का दायरा बढ़ा है। पिछले महीने सोलानी नदी का तटबंध टूटने से लक्सर में भीषण बाढ़ आ गई थी। किसान, मजदूर, व्यापारी सबको इससे बड़ा नुकसान हुआ है। केंद्र की विशेषज्ञ टीम कई दिन से जिले में हुए नुकसान का डाटा जुटा रही है। बुधवार को टीम डीएम धीरज सिंह गर्ब्याल के साथ लक्सर पहुंची और बाढग्रस्त हुसैनपुर, ऐथल बुजुर्ग, बुक्कनपुर, खानपुर आदि गांवों का दौरा किया।

शहीद दिवस के कार्यक्रम में जगदीश वत्स का नाम गायब

रुड़की। अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के बलिदान दिवस पर जिला प्रशासन प्रतिवर्ष 14 अगस्त को हरिद्वार के भल्ला पार्क में कार्यक्रम आयोजित करता है। इस कार्यक्रम में विधिवत रूप से आज तक न तो कभी अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के परिजनों को आमंत्रित किया गया और न ही उनकी जीवनी पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए कोई पहल की गई। शहीद वत्स के भांजे श्रीगोपाल नारसन ने कहा कि इस बार बलिदान दिवस को लेकर जो कार्यक्रम जारी किया, उसमें अमर शहीद जगदीश वत्स का नाम ही गायब है। इसको लेकर शहीद वत्स के परिजन ही नहीं स्वतंत्रता सेनानी और उनके उत्तराधिकारी भी नाराज हैं।

कई राज्यों में बढ़े इस जानलेवा रोग के मामले, बच्चों में खतरा सबसे अधिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : इन दिनों जहां कंजंक्टिवाइटिस और डेंगू संक्रमण के मामले तेजी से रिपोर्ट किए जा रहे हैं, वहीं कुछ राज्यों में जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) का प्रकोप देखने को मिल रहा है, इसे जापानी बुखार के नाम से भी जाना जाता है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक असम में इस वेक्टर जनित बीमारी के कारण इस साल अब तक ग्यारह लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राज्य भर में कुल 254 लोग इस बीमारी से संक्रमित हैं। असम के स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यभर में सभी निवारक उपाय करने की सलाह दी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, राष्ट्रीय राजधानी में पहले से ही कई प्रकार के मच्छर जनित रोगों के मामले देखे जा रहे हैं, ऐसे में यहां जेई का भी जोखिम हो सकता है, सभी लोगों को इससे बचाव के उपाय करते रहने चाहिए। जापानी इंसेफेलाइटिस के मामले गंभीर और जानलेवा भी हो सकते हैं।

जापानी इंसेफेलाइटिस के बारे में जानिए

जापानी इंसेफेलाइटिस बुखार संक्रमित मच्छरों के काटने से लोगों में फैलता है। इंसानों के साथ-साथ जानवरों में भी इस संक्रमण का जोखिम हो सकता है। आंकड़ों के मुताबिक हर साल जेई के 50,000 नैदानिक मामले सामने आते हैं, लेकिन ऐसा माना जाता है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है।10 वर्ष से कम उम्र के बच्चे इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इसका मृत्यु दर भी अधिक माना जाता है, सबसे खतरनाक बात यह है कि संक्रमण के शिकार करीब 70% लोगों में न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है।

जापानी इंसेफेलाइटिस से पीड़ित व्यक्ति को शुरुआत में हल्के संक्रमण के साथ बुखार और सिरदर्द हो सकता है, अधिक गंभीर मामलों में इसके लक्षणों के बिगड़ने का जोखिम भी अधिक रहता है। संक्रमण बढ़ने की स्थिति में झटके आने, जी मिचलाने-उल्टी, गर्दन में अकड़न और लकवा की भी समस्या हो सकती है। इस संक्रमण की स्थिति में मस्तिष्क में सूजन विकसित होने का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता है, जो कई प्रकार की गंभीर समस्याओं के कारण बन सकती है।मच्छर जनित होने वाले इस रोग के मामले गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं के साथ मृत्यु का भी कारण बन सकते हैं। आमतौर पर इस रोग के कारण मृत्यु दर 30 फीसदी तक देखा जाता है, बच्चों में इसके गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक हो सकता है। कोमा, दौरे पड़ने और लकवा जैसी स्थितियों के कारण क्वालिटी ऑफ लाइफ पर भी नकारात्मक असर देखा जा सकता है।

सांकेतिक चित्र

ना सोना ना चांदी, चोरों ने खेत पर डाला डाका, उड़ा दिए 2.5 लाख रुपये के टमाटर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : देश में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। सब्जियों से लेकर दालों तक के दाम आसमान पर हैं। खासतौर पर टमाटर की कीमतों ने तो रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। देशभर में टमाटर के दाम 100 रुपये प्रति किलो के पार हो गए हैं। कई राज्यों में तो टमाटर 150 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। आलम ये है कि आम जनता के लिए खाने में टमाटर का इस्तेमाल करना हकीकत से काफी दूर है। टमाटर के अलावा अन्य सब्जियों की कीमतों ने भी आम आदमी के किचन का बजट बिगाड़ दिया है। टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच कर्नाटक में हैरान कर देने वाला एक मामला सामने आया है। अब तक आपने सोना-चांदी या अन्य कीमती सामान की चोरी सुनी होगी, लेकिन हासन जिले में अजीब ही मामला सामने आया है। चोरों ने किसी घर या बंगले में नहीं, बल्कि एक किसान के खेत पर डाका डाला है। आरोप है कि चोरों ने किसान के खेत से लाखों रुपये के टमाटरों पर हाथ साफ कर दिया है।

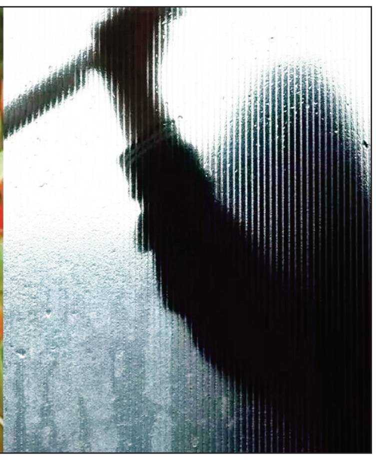

टमाटरों की चोरी का मामला चार जुलाई की रात का है। किसान धरनी का कहना है कि उसके खेत से चोरों ने कई किलों टमाटर चुरा लिए हैं। टमाटरों की कीमत करीब ढाई लाख रुपये है। धरनी ने बताया कि उसने दो एकड़ जमीन पर टमाटर की फसल उगाई थी। टमाटर की फसल काटकर वो उसे बाजार में बेचने की प्लानिंग कर रही थी, लेकिन तभी चोरों ने टमाटरों पर हाथ साफ कर दिया।धरनी ने टमाटर चोरी की शिकायत पुलिस से की है। धरनी ने बताया कि उसे सेम की फसल में नुकसान हुआ था, इसलिए उसने कर्जा लेकर टमाटर की फसल उगाई थी। धरनी ने बताया कि चोरों ने टमाटर चोरी के बाद उसकी फसल भी नष्ट कर दी। हलेबीडु पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई गई है।

अगस्त क्राति के अवसर पर समिति ने दिया धरना

हरिद्वार। अगस्त क्रांति पर संयुक्त ट्रेड यूनियन समन्वय समिति के बैनर तले सीटू और एटक के सदस्यों ने भगत सिंह चौक पर धरना दिया। धरने से पहले कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह चौक से चन्द्राचार्य चौक तक रैली निकाली। रैली का नेतृत्व सीटू के जिलाध्यक्ष पीडी बलोनी, जिला महामंत्री इमरत सिंह, एटक जिलाध्यक्ष मुनिरीका यादव, जिला महामंत्री दीपक शांडिल्य ने संयुक्त रूप से किया। धरना स्थल पर आयोजित सभा में वक्ताओ ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। इस दौरान सीटू के प्रदेश महामंत्री एमपी जखमोला, एटक के प्रदेश अध्यक्ष एमएस त्यागी, आरपी जखमोला, अशोक चौधरी , विरेंद्र सिंह, सुरेंद्र कुमार, राज कुमार, संदीप कुमार, विनोद कुमार, अरुण कुमार, हरपाल सिंह, प्रमोद कुमार, कदम सिंह, अंबरीश कुमार आदि मौजूद रहे।

देह व्यापार कराने में मां-बेटा और बेटी गिरफ्तार

हरिद्वार। नाबालिग, युवती और महिलाओं को देह व्यापार के धंधे में धकेलने के आरोपी परिवार को ज्वालापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मां, बेटे और बेटी को मौके से गिरफ्तार किया है, जबकि दामाद फरार है। आरोप है कि परिवार हरिद्वार और दिल्ली आदि क्षेत्रों से गरीब लड़कियों को काम दिलाने के नाम पर अपने मकान पर लाकर देह व्यापार कराता था। पुलिस ने मौके से एक नाबालिग लडकी को भी रेस्क्यू किया है। छापेमारी के दौरान कई लड़कियों के फोटो, आधार कार्ड, मोबाइल फोन, पैन कार्ड और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। पुलिस के मुताबिक बीते सात अगस्त को शहर कोतवाली क्षेत्र निवासी एक युवती ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। युवती ने शिकायत में बताया था कि वह अपने घर वालों से परेशान होकर अलग रहना चाहती थी। वह नौकरी की तलाश में थी। तभी उसकी मुलाकात आशु प्रधान से हुई, जिसने उसकी मुलाकात विपिन कांत उर्फ बंटी से कराई थी और बंटी ही उसे ज्वालापुर की देव ग्रीन कॉलोनी ले गया। जहां मौजूद दो महिलाओं ने उसे अंजान व्यक्तियों के साथ सोने के लिए कहा और ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए युवती के साथ दुष्कर्म करवाया गया। इसके बाद युवती ने पुलिस को पूरी आपबीती बताई और मुकदमा दर्ज कराया था। एसएसपी अजय सिंह ने पुलिस टीम गठित करते हुए एएचटीयू टीम के सहयोग से नव निर्माणाधीन देव ग्रीन कॉलोनी में एक मकान में छापेमारी की गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला शीला रानी को उसके बेटे सन्नी व बेटी साधना के साथ गिरफ्तार कर लिया। मौके से देह व्यापार के लिए लाई गई एक नाबालिग पीड़िता को भी बरामद रेस्क्यू किया गया।

पानी पीना भूलते हैं तो शरीर के लिए बन जाएगी आफत, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : घर हो या दफ्तर जब तक भूख प्यास न लगे, तब तक दिमाग काम से नहीं हटता। हम पानी प्यास के हिसाब से पीते हैं, न कि दिनभर में कितना पानी पीना चाहिए,इसे ध्यान में रखकर नहीं। कम पानी पीने की आदत सेहत के लिए कैसे नुकसान-दायक है बता रही है ये रिपोर्ट

स्वस्थ इंसान को हर दिन 8-10 ग्लास पानी क्यों पीना चाहिए , पानी पीने से बॉडी एक्टिव रहती है। पसीने के जरिए शरीर से टॉक्सिन निकलता है और व्यक्ति सेहतमंद रहता है। हर दिन 8-10 ग्लास पानी पीने से स्किन और यूरिन से जुड़ी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। कई बार सिरदर्द, थकान और अनिद्रा की वजह शरीर में पानी की कमी ही होती है। इसलिए डॉक्टर एक स्वस्थ व्यक्ति 3-4 लीटर पानी पीने की सलाह देते हैं। हालांकि किडनी या लिवर से जुड़ी समस्याओं में कम पानी पीने को कहा जाता है।

पानी पीने से जुड़ी इन बातों को न करें नजरअंदाज - जिन्हें किसी तरह की परेशानी या कोई बीमारी है, वे डॉक्टर की सलाह के हिसाब से ही पानी पीएं।अगर आप ब्रेस्ट फीडिंग कराती हैं, तो ज्यादा पानी पीएं, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।बोतल में पानी भरकर बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में पिलाते रहें, चाहें तो मिश्री मिला लें।पानी पीना कई बार मौसम और तापमान पर भी आधारित रहता है, इसका ध्यान रखें।पानी की जगह लिक्विड में नारियल पानी, जूस, स्मूदी भी लिया जा सकता है।चाय-कॉफी कम पीएं। इसमें मौजूद कैफीन की वजह से शरीर में पानी की कमी हो सकती है।

बढ़ सकती है कब्ज की समस्या - कम पानी पीने की वजह से शरीर खाना ठीक तरह से नहीं पचा पाता, जिसकी वजह से पेट साफ नहीं होता। लंबे समय तक कम पानी पीने की आदत बनी रही, तो पेट से जुड़ी समस्याएं होनी की आशंका बढ़ जाती है। बढ़ सकती है एग्जिमा की शिकायत - त्वचा पर लाल चकत्ते, जलन, दाने, पानी रिसना और खुजली जैसी समस्याएं एग्जिमा की पहचान होती है। शरीर में पानी की कमी होने की वजह से पसीना नहीं बन पाता जिसकी वजह से टॉक्सिन दाद-खाज के रूप में त्वचा पर उभर आते हैं। ब्लड प्रेशर का बना रहता है खतरा - पानी कम पीने से खून गाढ़ा होता है और ब्लड प्रेशर बढ़ता है। हाई ब्लड प्रेशर की वजह से हार्ट अटैक या स्टोक की आशंका भी बनी रहती है।

खून ले जाने वाली धमनी में लगेगा सेंसर हार्ट फेल होने से पहले देगा वार्निंग

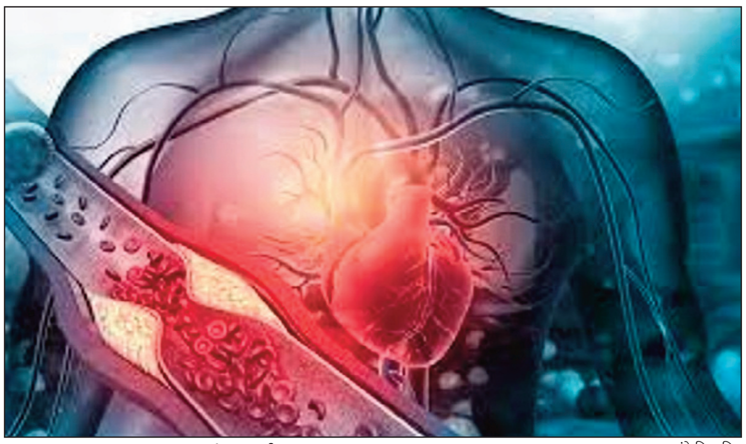
सांकेतिक चित्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : हार्ट फेल होता है और किसी को भी पता नहीं चलता. समय से अस्पताल पहुंच भी गए तो डॉक्टरों को कुछ ही मिनट मिल पाता है, देरी हुई तो जीवन खत्म. मगर अब ऐसा नहीं होगा. साइंटिस्ट ने एक अनोखी चिप तैयार की है, जो हार्ट फेल होने से काफी पहले बता देगी कि कुछ दिक्कत हो रही है. आप डॉक्टर के पास जाएंगे और तुरंत इसका इलाज लेकर ठीक हो जाएंगे. डॉक्टरों के मुताबिक, 50 फीसदी मामलों में तो अस्पताल में इमरजेंसी में भर्ती होने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी.

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्डियो एमईएमएस नाम के इस छोटे से सेंसर को दिल की ओर जाने वाली धमनियों में से एक में फिट किया जाता है. यह हर मिनट आपके ब्लड प्रेशर को मॉनिटर करता है. उसमें होने वाले उतार-चढ़ाव का पता लगाने में सक्षम है जो बिगड़ते स्वास्थ्य का संकेत दे सकता है. डॉक्टरों के मुताबिक, इंसान को हर सुबह एक तकिये पर लेटना होता है, जो इसके साथ कम्यूनिकेट करता है. लेटते ही यह आपके डॉक्टर को संकेत भेज देता है. बता देता कि फलां धमनी में किसी तरह की दिक्कत आ रही है.

मेडिकल जर्नल द लैंसेट में पब्लिश रिपोर्ट के अनुसार, इस डिवाइस का 348 लोगों पर परीक्षण किया गया. तकरीबन 18 महीने तक इन लोगों पर निगरानी रखी गई. नतीजे चौंकाने वाले थे. पता चला कि जिन लोगों में सेंसर इम्प्लांट किया गया था, उन लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की संभावना 44 फीसदी कम थी. हार्ट अटैक तब आता है जब ह्रदय को रक्त की आपूर्ति अचानक बंद हो जाती है. यह लाइलाज स्थिति है और इसमें मौत की संभावना सबसे ज्यादा होती है. डॉक्टरों के मुताबिक, जब ह्रदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती है तो वह सही तरीके से रक्त को पंप नहीं कर पाता. यह मौत का कारण बनती है,

हार्ट फेल्योर की सबसे मुख्य वजह दिल का दौरा पड़ना है, जो मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाता है. हार्ट वाल्व, वायरल इंफेक्शन और जेनेटिक समस्या की वजह से भी हार्ट फेल हो सकता है.बुजुर्गों में हार्ट फेल होने की सबसे बड़ी वजह फेफड़ों के आसपास की नसों में हाई ब्लड प्रेशर को माना गया है.आमतौर पर सांस के रोगियों में यह दिक्कत ज्यादा होती है, क्योंकि शरीर ऑक्सीजन की डिमांड करता है और इसके लिए उन्हें तेज सांस लेने की जरूरत पड़ती है. भारत समेत दुनिया के कई देशों में लाखों लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं.

नींद की समस्या से जूझ रहे तो भूलकर भी न खाएं ये चीजें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : नींद की समस्या से जूझ रहे तो भूलकर भी न खाएं ये चीजें शरीर के लिए नींद एक दवा का काम करती हैं, क्योंकि नींद के दौरान शरीर खुद को रिपेयर करता है। अगर नींद में खलल पड़े या रात को अच्छी नींद न आए तो इससे तमाम मानसिक और शारीरिक परेशानियां पैदा होने लगती हैं। 8 घंटे की नींद शरीर की रोज की जरूरत है, और शरीर की ये खुराक कई बार हमारी ही गलतियों से पूरी नहीं होती।

इन फूड्स को ब्लैकलिस्ट में डाल देंअल्कोहल - रात को सोने से ठीक पहले अगर आप ये सोच कर अल्कोहल लेते हैं कि उनकी दिनभर की थकान उतर जाएगी और बेहतर नींद आएगी तो अपनी सोच को बदल लें,क्योंकि ऐसा कर के वह अपनी नींद ही नहीं हेल्थ को भी चौपट कर रहे हैं। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक होती है जो वेट गेन और डायबिटीज को बढ़ावा देता है।पिज्जा- बर्गर- पिज्जा तो वैसे किसी भी वक्त खाना बेहतर नहीं लेकिन रात में खाना इसे आपके लिए बेहद नुकसान-दायक हो सकता है। मैदे और कई तरह की सॉस और चीज से मिलकर बना ये पिज्जा

हार्टबर्न का कारण होते हैं। वेट और डायबिटीज के साथ हाई बीपी का कारण बन सकता है आपका ये डिनर।चाट-गो-लगप्पे- तो याद रखिए इन फूड्स में से कुछ को तो खाने से हमेशा बचें लेकिन कुछ को रात में खाने से बचना चाहिए। ताकि एक बेहतर नींद और बेहतर स्वास्थ्य को पाया जा सके।चॉकलेट- डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक कैफीन और उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो ह्रदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को एक्टिव। ये दिन में लेना फायदेमंद हो सकता है, लेकिन रात में बेहतर नींद के लिए यह सही नहीं।

गुरुकुल में पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विवि के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में एनएसएस की ओर से मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम हुआ। पूर्व सैनिक दिनेश चंद्र सकलानी और विकास कुमार का सम्मान किया गया। स्वयं सेवियों ने पौधारोपण किया। संकायाध्यक्ष प्रो. विपुल शर्मा ने छात्रों को प्रकृति के संरक्षण के बारे में बताया। डॉ. मुरली मनोहर तिवारी ने सही मार्ग पर चलते हुए सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विवेक आर्य ने स्वयं सेवियों को पंच प्रण की प्रतिज्ञा दिलाई।

किन लोगों में बढ़ जाता है मल्टीपल स्क्लेरोसिस होने का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : मल्टीपल स्क्लेरोसिस, ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें माइलिन शीथ जो तंत्रिकाओं की रक्षा और उन्हें अलग करती है, क्षतिग्रस्त हो जाती है। मस्तिष्क से विद्युत आवेगों को ले जाने वाले तंत्रिका तंतु भी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। इस न्यूरोलॉजिकल डिसफंक्शन रोग की शुरुआती में चीजें मैनेज हो जाती हैं, लेकिन समय के साथ, नुकसान और भी बदतर हो सकता है , 2023 तक लगभग 2.9 मिलियन लोग इस स्थिति से पीड़ित हैं। विश्व मल्टीपल स्क्लेरोसिस दिवस एक वार्षिक, ग्लोबल इवेंट है, जो इस स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 30 मई को मनाया जाता है। तो आइए जानें कि किन लोगों में इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है?

परिवार में इस रोग का इतिहास होने के साथ कुछ बाहरी कारणों से भी प्रभावित हो सकती है। आमतौर पर रोगी के परिवार में इस स्थिति का इतिहास देखा जाता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इस बीमारी को ज्यादा देखा जाता है। अन्य कारक जो स्थिति का कारण बन सकते हैं, उनमें एपस्टीन-बार वायरस (Epstein-Barr virus (EBV)) से होने वाला वायरल संक्रमण, सन लाइट कम मिला, विटामिन-डी की कमी और स्मोकिंग शामिल हैं।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस आमतौर पर 20 से 40 की उम्र के लोगों को होता है, जिसमें लक्षण किशोरावस्था के आसपास दिखाई देने लगते हैं। इसके आम लक्षणों में:थकावट ,सुन्न होना और झुनझुनी आना , मांसपेशियों की ऐंठन ,अकड़न ,दर्द ,हिलने और संतुलन बनाए रखने में दिक्कत आना संज्ञानात्मक समस्याएं ,बोलने में दिक्कत आना ,ब्लैडर और आंतों से जुड़ी दिक्कतें ,यौन समस्याएं ,धुंधला दिखना ,निगलने में कठिनाई, एंग्जाइटी और डिप्रेशन

मल्टीपल स्क्लेरोसिस से पूरी तरह बचाव मुमकिन नहीं है, हालांकि, खाने या फिर सप्लीमेंट की मदद से विटामिन-डी की कमी को पूरा करना, स्मोकिंग से बचना और नींद पूरी लेने से एमएस का जोखिम कम हो सकता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लिए इस वक्त जो उपचार उपलब्ध हैं, इसमें स्टेरॉयड, न्यूरोलॉजिकल लक्षणों के लिए थेरेपी, फिजियोथेरेपी के अलावा बोलने और भाषा की थेरेपी शामिल हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

आंदोलनकारियों के आदर्शों पर चलकर ही राष्ट्र का कल्याण सुनिश्चितः श्रीमहंत

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी (निरंजनी) ने कहा की स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आदर्शों पर चलकर ही राष्ट्र का कल्याण सुनिश्चित हो सकता है। देशवासियों का आह्वान किया कि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को अपनाकर भारत एक उन्नत राष्ट्र बनाने का काम करें। बुधवार को एसएमजेएन पीजी कॉलेज में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के सम्मान में आजादी के मतवाले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रा कामनी, कामाक्षा, आंचल, आरती, गौरव बंसल, अंशिका, रिया ने लघु नाटिका के जरिए 1857 की क्रांति और जलियावाला बाग हत्याकांड को प्रस्तुत किया। मनीषा और अपराजिता ने कविता, अन्नया भटनागर, ईशिका, मेहताब आलम, आरती असवाल, चारू और मनीषा ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रमों के जरिए गुलामी से आजादी की तरफ बढ़ते भारत को दिखाया गया। मौके पर सतीश जैन, डॉ. सुनील कुमार बत्रा, महंत अनिल गिरी, अधीर कौशिक, डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. मनमोहन गुप्ता, डॉ. तेजवीर सिंह तोमर, डॉ.जगदीश चंद्र आर्य, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. मनोज कुमार सोही, डॉ. शिव कुमार चौहान, रुचिता सक्सेना, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. पूर्णिमा सुंदरियाल, दीपिका आनंद, आंकाक्षा पांडेय, मोहन चंद पांडेय, संजीत कुमार आदि मौजूद रहे। यह हुए सम्मानितः स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे मंसा राम डंडरियाल, करतार सिंह, डोलीराम, किशन लाल, भवानी गिरी, सागर सिंह राणा, वैद्य दिनेश चंद, हवेली राम, महंत सोम गिरि, आनंद कुमार, ठाकुर खेम सिंह, ओमप्रकाश, विजय लक्ष्मी, प्रतिभा रोहेला आदि के उत्तराधिकारियों को सम्मानित किया गया। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों में विजय भंडारी, विनोद डंडरियाल, सरोजनी जोशी, सुरेंद्र सैनी, रविंद्र भट्ट, उमाशंकर वशिष्ठ, हरिद्वार विकास समिति के संदीप कुमार, मोहित गर्ग, मोहित गौ?, राघव मित्तल, गौरव भाटिया आदि

कोरियर कंपनी के कार्यालय से चोरी करने वाला गिरफ्तार

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में एक कोरियर कंपनी के कार्यालय से सामान और पर्स चोरी कर लिया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अनिल कुमार कपूर निवासी वसंत विहार जमालपुर ने तहरीर देकर बताया कि रानीपुर मोड़ के पास स्टार वर्ल्ड कोरियर के नाम से उसका कार्यालय है। दो जुलाई की सुबह किसी ने कार्यालय में घुसकर उनका पर्स और तीन बाक्स कोरियर चोरी कर लिए। पर्स में जरूरी दस्तावेज और 15 हजार की नगदी थी। सीसीटीवी कैमर की फुटेज के आधार पर पुलिस ने मनीष कुमार पुत्र मुकेश कुमार निवासी विजय पार्क गली नंबर 10 मौजपुर थाना जाफराबाद दिल्ली को टिबडी अंडरपास पास से गिरफ्तार किया। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

नौ सूत्रीय मांगो को लेकर उत्तराखंड आयुर्वेद विवि शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ का चरणबद्ध आंदोलन शुरू

हरिद्वार। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ ने दो माह के बकाया वेतन सहित नौ सूत्रीय मांगो को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। ऋषिकुल आयुर्वेदिक चिकित्सालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया गया। विवि के शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष खेमानंद भट्ट के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। अध्यक्ष भटट ने बताया कि दो माह का वेतन दिए जाने, गोल्डन कार्ड की सुविधा, सभी संवर्गो के कर्मचारियों का नियमितिकरण, स्थाईकरण, पदोन्नति, एलोपैथ नर्सिंग संवर्ग की तरह विवि के परिसरों में सहायक नर्सिंग अधीक्षक, उपनर्सिंग अधीक्षक, मुख्य नर्सिंग अधीक्षक के पद सर्जित करने, मृतक आश्रित की नियुक्ति, सेवानिवृत्त कर्मचारियों का बकाया देने की मांग है। ग्यारह और बारह अगस्त को कार्य बहिष्कार तीन घंटे रहेगा। तेरह अगस्त तक मांग न पूरी होने पर चौदह अगस्त को तीनों परिसर में पूरी तरह कार्य बहिष्कार कर तालाबंदी की जाएगी। पहले दिन सुबह दस से बारह बजे तक दवा वितरण नहीं हुआ।

माता-पिता के दबाव का छात्रों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 अगस्त , सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा टॉप करे, उनका नाम रोशन करे। एक अभिभावक यह चाहेगा ही, इसमें गलत कुछ नहीं है। गलत तब है, जब अंकों की यह भूख बच्चे की क्षमता से आगे निकल जाए। अगर पता है कि बच्चा ज्यादा अंक नहीं ला पाएगा, फिर भी दबाव बनाते हैं तो यह बहुत ही खतरनाक है। बच्चा क्या बनना चाहता है, उसे क्या पसंद है, वह क्या करना चाहता है, माता-पिता सिर्फ इसी पर अपना फोकस करें। देखिए, नतीजे आपकी उम्मीदों से भी कहीं बेहतर आएंगे।

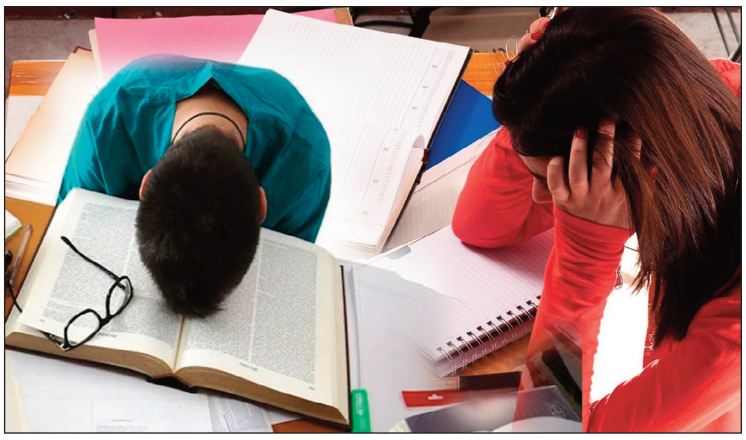

साभार गूगल

माता-पिता का दबाव क्या है और क्यों ?

माता-पिता का दबाव वह भावनात्मक तनाव है जो माता-पिता अपने बच्चों पर डालते हैं और यह अक्सर शैक्षणिक सफलता, सांस्कृतिक और सामाजिक मानकों और अन्य कारकों से संबंधित होता है। माता-पिता के दबाव का मुख्य कारण उनके बच्चों के कल्याण और उनके रोजगार की चिंता है। एक अन्य कारक माता-पिता के पिछले लक्ष्य हैं जिन्हें वे हासिल नहीं कर सके; इसलिए, वे अपने बच्चों में वही सपना लाने की कोशिश करते हैं, जिससे बच्चे के लिए भ्रम पैदा हो जाता है।

माता-पिता के तनाव का छात्रों पर क्या प्रभाव हो सकता है ?

हालांकि दबाव मुख्य रूप से अच्छे इरादों पर आधारित होता है, कभी-कभी माता-पिता छात्रों के लिए स्वीकार्य सीमा से आगे भी जा सकते हैं। एक छात्र के रूप में, आपका बच्चा लगातार आपकी मान्यता की तलाश में रहेगा। थोड़ी सी भी निराश अभिव्यक्ति भी उन्हें बुरी मानसिक स्थिति में भेज सकती है; वे अपनी क्षमताओं पर सवाल उठाना शुरू कर देंगे, जिससे धीरे-धीरे भय, चिंता और अन्य मानसिक बीमारियां पैदा होंगी। अब कल्पना करें कि अत्यधिक दबाव उन्हें किस स्थिति से गुज़र सकता है।

मानसिक बीमारी

छात्रों में कई कारकों के कारण मानसिक बीमारियों का अनुभव होने की संभावना रहती है। मुख्य कारक शिक्षाविदों में सफल होने का दबाव है। इस प्रकार का दबाव मुख्य रूप से माता-पिता की उच्च अपेक्षाओं से उत्पन्न होता है जो छात्रों पर सभी विषयों में अच्छा प्रदर्शन करने और सभी परीक्षाओं को अच्छे ग्रेड के साथ उत्तीर्ण करने का दबाव डालते हैं। लगातार दबाव छात्रों के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है और अवसाद, नींद की कमी और खाने के विकार जैसे विकार विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

अकेले शैक्षणिक जीवन की चुनौतियां, सामाजिक मेलजोल की चिंता और समय प्रबंधन ही छात्रों को परेशान करने के लिए काफी हैं। माता-पिता का लगातार दबाव इन चुनौतियों को और बढ़ा देता है। ये दबाव छात्रों के लिए खाने संबंधी विकार विकसित करने के नए अवसरों की मांग करते हैं। अपनी पढ़ाई और दैनिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, अतिरिक्त दबाव उनका ध्यान भटका देता है, जिससे भोजन छूट जाता है और अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो खाने संबंधी विकार भी हो सकते हैं।

कम शैक्षणिक प्रदर्शन

एक देखभाल करने वाले माता-पिता होने और चीजों को बहुत दूर तक ले जाने के बीच एक महीन रेखा होती है। सीमा पार करने से भविष्य में आपके बच्चे पर कई परिणाम होंगे। आपका शैक्षणिक दबाव ही उन्हें चिंतित करेगा। एक छात्र का शैक्षणिक प्रदर्शन शारीरिक से लेकर भावनात्मक पहलुओं तक कई कारकों से प्रभावित होता है। जब आपका बच्चा, जो एक पूर्णकालिक छात्र भी है, को जीवन के सभी क्षेत्रों से सभी दबावों का सामना करना पड़ता है और उनसे अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद की जाती है, तो संभवत उनका शैक्षणिक प्रदर्शन कम हो जाएगा। इसका परिणाम यह होता है कि वे अपनी क्षमताओं पर सवाल उठाना शुरू कर देते हैं और बेहतर बनने की कोशिश करते हैं लेकिन कभी भी आपकी अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरते।

स्कूल में धोखा

शैक्षणिक धोखाधड़ी माता-पिता के दबाव, शिक्षक के दबाव और खराब समय प्रबंधन के कारण होती है। एक छात्र जो हमेशा आपकी अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में काम कर रहा है, लेकिन ऐसा महसूस करता है कि वह कभी आपके करीब नहीं है, संभवतः धोखा देने की ओर मुड़ जाएगा, यह उम्मीद करते हुए कि अच्छे ग्रेड आपको खुश कर देंगे। असफलता का डर छात्रों को नए प्रोजेक्ट लेने या हाथ में लिए प्रोजेक्ट को पूरा करने से रोकता है। घर में अच्छे ग्रेड लाने के लिए आपकी मान्यता प्राप्त करने की आशा में, वे अच्छी प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त करने के लिए धोखाधड़ी पर विचार करेंगे या धोखाधड़ी भी करेंगे।

कम आत्म सम्मान

जैसे-जैसे शैक्षणिक दबाव बढ़ता है, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य में गिरावट आती है। जब माता-पिता के रूप में आप अत्यधिक व्यस्त होते हैं, तो आपका बच्चा दुनिया में खुद को कैसे परिभाषित करता है, इस पर अत्यधिक नियंत्रण बच्चे के लिए आत्म-चिंतन करने और सकारात्मक विचार और भावनाएं रखने के कुछ अवसर पैदा करता है। परिणामस्वरूप, आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान की संभावनाओं से समझौता हो जाता है।

नींद की समस्या

जो बच्चे स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए लगातार दबाव महसूस करते हैं, वे देर तक पढ़ाई करते रहते हैं और पर्याप्त नींद लेने के लिए संघर्ष करते हैं। यदि निगरानी न की जाए, तो अनियमित नींद के पैटर्न जैसे अनियमित खाने का शेड्यूल अनिद्रा जैसे अधिक जटिल मामलों को जन्म दे सकता है। यदि आप अपने बच्चे की तबीयत ठीक न होने के बावजूद उसे खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं, तो इससे काफी नुकसान हो सकता है। ऐसे मामले होते हैं, भले ही आप मौखिक रूप से अपने बच्चे को भाग लेने के लिए न कहें क्योंकि वे भावनात्मक दबाव महसूस करेंगे

माता-पिता या परिजन बच्चों से बेहतर संवाद स्थापित करें। उनके साथ दोस्ताना व्यवहार रखें। उनकी मनोदशा समझने के लिए उनके दोस्तों से भी बात करें। बच्चों की तुलना उनके भाई, बहन या दोस्तों से कभी न करें। इससे उनके मन में नकारात्मकता आती है। बच्चों के एक्सपेक्टेशन और इमोशन को समझें।

गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय के भेषज विज्ञान विभाग में चल रहे प्रेरणा कार्यक्रम का हुआ समापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय के भेषज विज्ञान विभाग में चल रहे प्रेरणा कार्यक्रम का आज सफलता पूर्वक समापन हो गया। इस अवसर पर छात्रों से चर्चा करते हुए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी0 आर0डी0 ओ0) के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 असीम भटनागर ने कहा कि आज का समय आंतरप्रेणण एवं स्टार्ट उप का है उन्होंने कहा कि कैसे छात्र अपने प्रोफेसनल कोर्स करते हुए प्रति माह 10000 से 15000 रूपए की आय भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शीघ्र ही इन्कुबेशन सेंटर शुरू किया जाएगा जिस में छात्रों को नए नए अविष्कार, शोध एवं स्टार्ट अप के लिए वातावरण तैयार किया जाएगा ताकि निकट भविष्य में वह एक सफलआंतरप्रेन्यूर बन सके और देश और समाज के विकास में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि आज के समय की मांग है कि हम सिर्फ नौकरी के विचार तक न सीमित रहे बल्कि अनुसंधान एवं छोटे छोटे स्टार्ट अपके व्यवहार में लाने कि सोच विकसित करें।

इस अवसर पर उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के डा0 विनय कुमार सेठी ने छात्रों से वित्तीय आपदा कारण एवं निवारण विषय पर विस्तृत चर्चा की, उन्होंने कहा कि आजकल के भौतिकवादी युग में हर कोई देखा देखी में अपनी आर्थिक क्षमताओं से अधिक खरीददारी कर रहा है जिस से वह निकट भविष्य में आर्थिक तंगी के चंगुल में फंस जाता है और धीरे धीरे वह अवसाद, तनाव और आत्महत्या जैसे विकारों की चपेट में आ जाता है। कहा कि आजकल की दिखावे वाली और छद्म आभासी सोशल मीडिया इसके लिए बहुत हद तक जिम्मेदार है, कहा कि आज कल परिवार के सदस्य एक साथ बैठकर आपस में चर्चा करना जैसे भूल ही गए है, जिस से लोग एकाकी होने लग गए हैं। इसके निवारण पर चर्चा करते हुए, डा0 सेठी ने कहा कि भौतिक चकाचौंध की पीछे न भागें और किसी से अपनी तुलना किसी भी रूप में न करे, नेचुरल जीवन जीए और अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करें।

कार्यक्रम के सफल समापन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सोमदेव शतांशु एवं कुलसचिव प्रो0 सुनील कुमार ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम के इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा0 विपिन कुमार ने गत तीन दिनों में हुए कार्यक्रम का सारांश सभी के मध्य रखा, उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में कम्प्यूटर के अनुप्रयोग, प्लेसमेंट, इंडस्ट्री के प्रबंधकों ने छात्रों से चर्चा की, इसके साथ ही फार्मेसी के विभिन्न विषयों पर विभाग के शिक्षकों ने विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक डा0 अश्वनी कुमार एवं विनोद नौटियाल ने किया। कार्यक्रम के सफल सम्पूर्ण होने में डा0 कपिल कुमार गोयल, डा0 सतेन्द्र राजपूत, डा0 पियूष सिंघल, बलवंत रावत, दीपक नेगी, डा0 रोशन लाल आदि शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का सहयोग रहा।

बाहरी मजदूरों और व्यापारियों के सत्यापन की मांग की

रुद्रप्रयाग। विहिप ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर बाहरी क्षेत्रों से जनपद में कार्य कर रहे लोगों का सघन सत्यापन करने की मांग की। जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में परिषद के कार्यकर्ताओं का कहना है कि जनपद में बाहरी व्यक्तियों द्वारा फड़, फेरी, कबाड़ी, मजदूरी व व्यापार का कार्य किया जा रहा है। जिनका पूर्ण रुप से सघन सत्यापन जरूरी है। बाजार में बेसहारा पशुओं के लिए गोशाला निर्माण के लिए नए स्थान पर भूमि का चयन किया जाए। जिसका संचालन विहीप के हाथों में दिया जाए। साथ ही बेसहारा पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनपद में स्थित मीट की दुकानों का सत्यापन, पंजीकरण व वधशाला का निर्माण करने व मीट की दुकानों में साफ सफाइ के लिए खाद्य निरीक्षक को निर्देशित करने की मांग की। उन्होंने रुद्रप्रयाग नगर क्षेत्र में हाईवे के फुटपाथों, पैदल मार्गो और नाली के ऊपर लगे हुए फड़ की दुकानों को हटाने की मांग की है। इस मौके पर विहीप के जिलाध्यक्ष भरत सिंह रावत, उपाध्यक्ष राजेश सेमवाल, अवधेश कप्रवान सहित कई लोग मौजूद थे।

सीएम से की राज्य आंदोलनकारी चिह्नीकरण में शिथिलता की मांग

नई टिहरी। जनपद की राज्य निर्माण आंदोलनकारी चिह्नीकरण समिति ने डीएम मयूर दीक्षित के माध्यम से सीएम को ज्ञापन प्रेषित कर चिह्नीकरण में शिथिलता बरतने सहित विभिन्न मांग करते हुए निस्तारण की मांग की। आंदोलनकारियों के सीएम को प्रेषित ज्ञापन में अवगत कराया गया कि चिह्नीकरण से छूटे राज्य निर्माण आंदोलनकारियों के लिए चिह्नीकरण में शिथिलता बरती जाय। क्योंकि लंबा समय बीतने के बाद आंदोलनकारियों के पास अपेक्षित अभिलेख अब मौजूद नहीं हैं। इसलिए आंदोलनकारियों का चिह्नीकरण एलआईयू रिपोर्ट, संबंधित ऐजेंसी की जांच और ख्याति प्राप्त आंदोलनकारियों की अनुशंसा पर किया जाय। चिह्नीकरण 2017 से पूर्व नियमों व शर्तो के आधार पर ही किया जाय। इसमें अखबार की कटिंग व ख्यातिलब्ध आंदोलनकारियों की अनुशंसा शामिल रहे। आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण के संबंध में नये आवेदनों के साथ 31 दिसंबर, 2021 डीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी में लंबित आवेदनों के आधार पर राज्य आंदोलनकारियों का चिह्नीकरण किया जाय। संयुक्त संघर्ष समिति दस्तावेजों में उल्लेखित नामों को आधार मानकर चिह्नीकरण किया जाय। डीएम को ज्ञापन सौंपने वालों में राज्य आंदोलनकारियों में देवी प्रसाद पंवार, ज्योति प्रसाद भट्ट, मुरारी लाल खंडवाल, फते सिंह, लोकेंद्र, केशर सिंह चौहान, महिपाल सिंह रावत, रमेश कुडियाल, विनोद कुकरेती, विक्रम सिंह नेगी आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

'मेरी माटी मेरा देश अभियान में शहीदों का सम्मानः शर्मा

हरिद्वार। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनामिका शर्मा ने कहा कि देश की मिट्टी कार्यक्रम में शहीदों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मोर्चा पदाधिकारियों के साथ बैठक की। ?जिला कार्यालय जगजीतपुर में मोर्चा की प्रदेश प्रभारी रुचि भट्ट के नेतृत्व में आगामी कार्यक्रमों को लेकर बैठक हुई। प्रदेश प्रभारी ने कार्यक्रमों को सफल बनाने को कहा। मोर्चा जिला प्रभारी आशु चौधरी ने बताया की पूरे देश में शहीदों के सम्मान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम किया जाएगा। शहीदों के घर जाकर परिवार को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में मोर्चा की जिला महामंत्री प्रीति गुप्ता, शीतल पुंडीर, जिला उपाध्यक्ष रेनू शर्मा, मन्नू रावत, पारुल चौहान, सविता पंवार, रजनी चौहान, शर्मिला बगवाड़ी, रंजीता झा, गीता कुशवाहा, अंजू , नीतू रानी आदि मौजूद रहे।

गौरीकुंड में सप्ताह भर में दूसरी घटना ने सभी को झकझोरा

रुद्रप्रयाग। गौरीकुंड में एक सप्ताह के भीतर हुई दूसरी घटना ने सबको झकझोर दिया है। बीते 3 अगस्त की रात्रि गौरीकुंड में भूस्खलन से तीन दुकानें ध्वस्त हो गई थी जिनमें 3 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 20 लोग अब भी लापता है। वहीं मंगलवार रात्रि गौरी गांव के नीचे हुई घटना में दो बच्चों की दर्दनाक मौत हुई है। केदारघाटी में कई दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है। ऐसे में जहां भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही है वहीं नदी और नाले भी उफान पर हैं। मंदाकिनी नदी के उफान पर होने से कई बार रेस्क्यू में जवानों को मुश्किलें हो रही है। वहीं गदेरे और नाले भी उफान पर हैं। बीती रात गौरी गांव में जोरदार बारिश हुई जिससे गांव के नीचे खेतों में झोपड़ी में रह रहे नेपाली परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया। खेत की दीवार का पुश्ता टूटा और मलबे पत्थर झोपड़ी की ओर गिरे जिससे झोपड़ी में सो रहे दो बच्चों की दर्दनाक मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है। सप्ताह भर के भीतर गौरीकुंड में यह दूसरी घटना है जिसमें जन हानि हुई है। स्थानीय लोगों ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। कहा कि जनहानि होना काफी दुखद है।

केंद्र सरकार के खिलाफ तहसील परिसर में दिया धरना

रुद्रप्रयाग। संयुक्त किसान मोर्चा उत्तराखंड के आह्वान पर अखिल भारतीय किसान सभा व सीटू ने केंद्र सरकार पर निजी कंपनियों को लाभ देने, किसानों व मजदूरो का का उत्पीडन करने व मणिपुर की घटना को लेकर तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। अंग्रेजो भारत छोड़ों आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ पर आयोजित धरना प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए सीटू के जिला महामंत्री वीरेंद्र गोस्वामी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने सत्ता में आने से पूर्व देश के किसानों व मजदूरों से अच्छे दिनों का वायदा किया था। किंतु नौ वर्ष गुजर जाने के बाद भी केंद्र सरकार ने किसानों व मजदूरों को बुरे दिनों की ओर धकेल दिया है। विकास के नाम पर उनकी कृषि भूमि छीन कर बेदखल किया जा रहा है। आधुनीकीकरण के नाम पर मजदूरों को रोजगार से वंचित किया गया है। देश की शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल, उद्योग, सार्वजनिक कल कारखानों का निजीकरण कर दिया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना ने साबित कर दिया है कि केंद्र सरकार की जनता के किसी भी वर्ग के प्रति जबावदेही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश के किसान व मजदूर भूख व कर्ज के चलते आत्महत्या कर रहे है। जबकि उद्योगपतियों की आय में आए दिन इजाफा हो रहा है। उन्होंने एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को सत्रह सूत्रीय ज्ञापन भेजा। इस मौके पर किसान सभा के जिलाध्यक्ष अषाड़ सिंह धिरवाण, आनंद सिंह रावत, बसंती रावत, दौलत सिंह राणा, इंद्र लाल, विनीता देवी, गोदाम्बरी देवी, सुलोचना देवी पूनम, उषा देवी, प्रकाश लाल समेत अन्य मौजूद थे।

इंस्टाग्राम पर बनाते हैं विडियो, क्या आप जानते हैं बच्चों के लिए इसकी सही उम्र ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

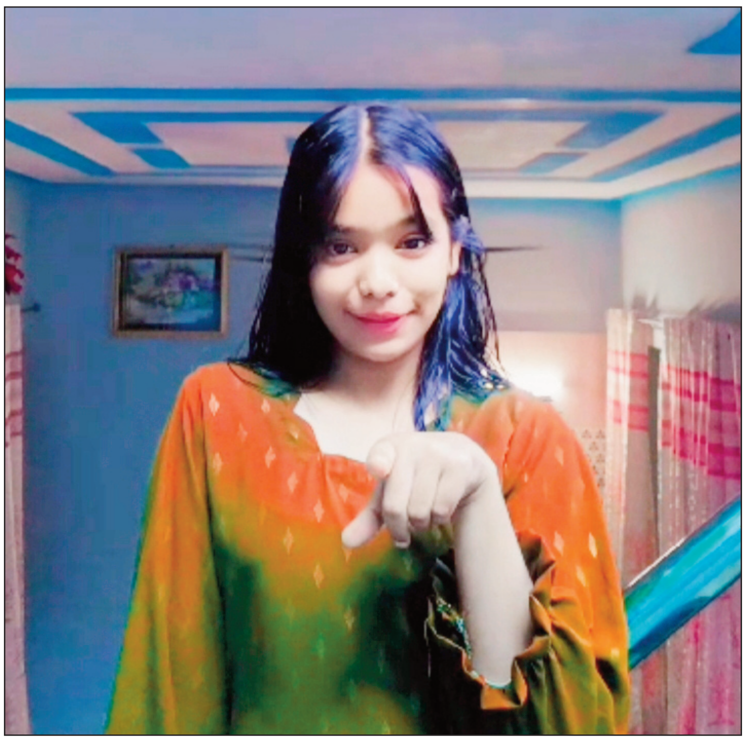

ब्यूरो रिपोर्ट 10 अगस्त : आजकल सोशल मीडिया का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है और अब बच्चे भी सोशल मीडिया ऐप्स से जुड़ने लगे हैं। बच्चों के लिए पहले तो सिर्फ फेसबुक और यूट्यूब था लेकिन अब एंटरटेनमेंट के लिए ढेरों ऐप्स आ गई हैं। कुछ समय पहले टिकटॉक खूब फेमस हुई थी और इसके भारत में बैन होने के बाद इस तरह की कई ऐप्स लॉन्च हुईं। यहां तक कि इंस्टाग्राम ने भी टिक टॉक पर वीडियो बनाने जैसा अपना 'रील्स' के नाम से एक फीचर लॉन्च किया।

आजकल सोशल मीडिया का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है और अब बच्चे भी सोशल मीडिया ऐप्स से जुड़ने लगे हैं। बच्चों के लिए पहले तो सिर्फ फेसबुक और यूट्यूब था लेकिन अब एंटरटेनमेंट के लिए ढेरों ऐप्स आ गई हैं। कुछ समय पहले टिकटॉक खूब फेमस हुई थी और इसके भारत में बैन होने के बाद इस तरह की कई ऐप्स लॉन्च हुईं। यहां तक कि इंस्टाग्राम ने भी टिक टॉक पर वीडियो बनाने जैसा अपना 'रील्स' के नाम से एक फीचर लॉन्च किया।इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि बच्चों को किस उम्र से रील्स या इस तरह की ऐप्स का इस्तेमाल करना चाहिए और पेरेंट्स को इस मामले में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।अब अधिकतर बच्चे सोशल मीडिया पर काफी समय बिताने लगे हैं। अगर आप पेरेंट हैं और यह जानना चाहते हैं कि किस उम्र से बच्चे सोशल मीडिया ऐप्स चला सकते हैं तो आपको बता दें कि इंस्टाग्राम समेत ज्यादातर सोशल मीडिया ऐप्स 13 साल से अधिक उम्र के यूजर को ही अपना अकाउंट बनाने की अनुमति देती हैं। यदि 13 साल से कम उम्र के बच्चे का अकाउंट बन रहा है, तो उसकी बायो डिटेल में यह बताया जाना चाहिए कि वह अकाउंट पेरेंट या मैनेजर द्वारा संभाला जाएगा।

सोशल मीडिया ऐप्स एक लत की तरह हैं इसलिए अक्सर पैरेंट्स को चिंता सताती है कि कहीं उनके बच्चे को रील्स या इस तरह की किसी ऐप की लत न लग जाए जो वाकई में बुरा है। पेरेंट्स को मॉनिटर करना चाहिए कि उनका बच्चा इन ऐप्स पर कितना समय बिता रहा है।

संपादकीय

प्रसंगवश रहा मणिपुर

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस जारी है। यह प्रस्ताव मणिपुर हिंसा, हत्याओं और महिलाओं के यौन शोषण पर केंद्रित रहना चाहिए था, क्योंकि इस मुद्दे पर ही खासकर राज्यसभा बाधित रही थी। नतीजतन संसद सत्र में नाममात्र का ही काम हो सका। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर को लेकर लंबी खामोशी की मुद्रा में रहे हैं और सदन से लगातार गैर-हाजिर रहे हैं, लिहाजा उन्हें बोलने को बाध्य करने के मद्देनजर अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा। प्रस्ताव पर चर्चा के पहले दिन, करीब 6 घंटे की बहस के दौरान भी, प्रधानमंत्री अनुपस्थित रहे। वह अपने कार्यालय में बैठ कर सांसदों के वक्तव्य सुन रहे होंगे! वैसे यह प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है कि वह सदन में कब आएं अथवा बिल्कुल न आएं या किसी भी विषय पर हस्तक्षेप करें। बेशक प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार तो अपरिमित हैं। सवाल विशेषाधिकार का नहीं है। कितने विशेषाधिकारों की चर्चा की जाए, सवाल यह है कि प्रधानमंत्री भी प्राथमिक तौर पर लोकसभा सांसद हैं। कमोबेश अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में उनकी उपस्थिति अपेक्षित है। हम लोकतांत्रिक नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों के आधार पर यह अपेक्षा कर रहे हैं, क्योंकि चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति के सवाल प्रसंगवश उठाए जाते रहे हैं। प्रधानमंत्री भी संसद से गुरुतर और महान नहीं हो सकते। बहरहाल प्रस्ताव पर बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस भी उन्होंने ही दिया था। उनका वक्तव्य कुल 35 मिनट का था। चूंकि वह असम से सांसद हैं, लिहाजा मणिपुर पर वह करीब 22 मिनट तक बोले। उन्होंने वही सवाल उठाए, जो कांग्रेस की ओर से उठाए जाते रहे हैं। सत्ता-पक्ष की ओर से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने चर्चा का आगाज किया, लेकिन मणिपुर की हिंसा, जातीय तनाव और टकराव तथा विस्थापन के अहम पहलुओं पर वह कुछ नहीं बोले। उन्होंने मणिपुर से जुड़े अपने मामा जी का एक निजी प्रसंग जरूर सुनाया। अलबत्ता वह सोनिया-राहुल गांधी पर ही तंज कसते रहे। उन्होंने 'गरीब के बेटे' और ओबीसी के खिलाफ अविश्वास करार दिया और 2024 में 400 सीटों के जनादेश के साथ लौटने का दावा किया। पूर्वोत्तर के अरुणाचल प्रदेश से भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री किरन रिजीजू ने 'मणिपुर' शब्द 11 बार बोला, लेकिन महिलाओं पर यौन हमलों का जिक्र एक बार भी नहीं किया। वह यह गिनाते रहे कि कितने उग्रवादी संगठन खत्म हो चुके हैं और कितने उग्रवादियों ने आत्म-समर्पण किया है। यह गिनती कई बार दोहराई जा चुकी है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के पूर्वोत्तर पर दिए गए निर्देश का उल्लेख किया कि 5 कैबिनेट मंत्री और 7 केंद्रीय राज्यमंत्री हरेक 15 दिन के अंतराल पर पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करते हैं। एक और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और सिरसा (हरियाणा) की भाजपा सांसद सुनीता दुग्गल ने मणिपुर का शब्द तक नहीं बोला। राणे महाराष्ट्र पर बोले, जिसका संदर्भ तक नहीं था। विपक्ष में सपा सांसद डिम्पल यादव और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने महंगाई, बेरोजगारी, किसानी पर ही फोकस रखा। अलबत्ता मणिपुर को लेकर मोदी सरकार पर कुछ सवाल जरूर उठाए।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पुलिस ने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर कोतवाली पुलिस ने ग ?वाल विवि में राजनीतिक शास्त्र विभाग में नशा उन्मूलन को लेकर छात्रों से संवाद किया। इस मौके पर कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक संतोष पैंथवाल ने छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। साथ ही ग ?वाल विवि के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने और ड्राइविंग लाइसेंस की उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने 18 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को बिना डीएल के वाहनों को चलाने पर कानूनी प्रावधानों के बारे में बताया। साथ ही पुलिस ने साइबर क्राइम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर राजनीतिक विज्ञान विभाग के डा. राकेश नेगी, उपनिरीक्षक वेद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

बीएससी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश को पहली वरीयता सूची जारी

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा ग ?वाल विश्वविद्यालय में नूतन सत्र 2023-24 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके तहत बीएससी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए प्रवेश समिति ने सीयूईटी परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर पहली वरीयता सूची घोषित कर दी है। इस सूची में शामिल सभी छात्र-छात्राओं को 9 अगस्त से 17 अगस्त तक ऑनलाइन माध्यम से समर्थ पोर्टल में अपनी यूजर आईडी द्वारा फीस जमा कर अपना अस्थायी प्रवेश सुनिश्चित करना होगा।

प्रवेश समिति के संयोजक प्रो.एससी सती ने बताया कि फीस जमा करने के बाद विवि की वेबसाइट से प्रवेश फार्म डाउनलोड कर एवं उसको पूर्ण रूप से भर कर विवि के संकाय अध्यक्ष कार्यालय बिड़ला परिसर श्रीनगर में प्रवेश समिति के समक्ष शैक्षिक एवं आरक्षण प्रमाण पत्रों को भौतिक रूप से सत्यापित कराना होगा। कहा छात्रों को अपने प्रवेश फार्म के साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छाया प्रति एवं चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानांतरण प्रमाण पत्र, प्रवजन प्रमाण पत्र की मूल प्रतियां सलंग्न करनी होंगी।

संक्षिप्त खबरें

भर्ती पूर्व प्रशिक्षण 21 अगस्त से शुरू

नई टिहरी। पूर्व सैनिक एवं सैनिक विधवाओं के पुत्रों को सेना, अर्द्धसैनिक और पुलिस बल में भर्ती के लिए आगामी 21 अगस्त से 14 अक्तूबर तक निःशुल्क भर्ती पूर्व प्रशिक्षण देहरादून में संचालित किया जायेगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी योगेंद्र कुमार ने बताया कि जनपद टिहरी के इच्छुक युवा अभ्यर्थी 18 अगस्त तक जिला सैनिक कल्याण एंव पुनर्वास कार्यालय नई टिहरी में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

बारिश से 22 सडक़ें बाधित

नई टिहरी। टिहरी जिले में बुधवार को बारिश से 22 सडक़ें बाधित रही। बाधित सडक़ मार्गों में भेलुंता हलेथ, घुत्तु गुंगी, घनसाली घुत्तु कोठार, आरकेके सतेंगल, हिंडोलाखाल शिवपुरी कुरीखाल, नरेन्द्रनगर नीर, हिंडोलाखाल भैसर्क, कौडियाल गंगलासी, रामपुर श्यामपुर बौठ, झाला कोटी, बुढ़ाकेदार तोली, कठूड़ चांजी, कर्णादेवी धौड़ोकीधार,मिश्रवाण गांव थाला, देवलधार चमोलगांव, अदवाणी बेरनी रौंदेली, शिवपुर देखला, गुलर भगवासेरा, कैंपटी चडोगी, लालपुल भुत्सी, मसराना किमोई ग्रामीण सडक़ मार्ग के साथ लक्ष्मोली हिसरियाखाल जामणीखाल एसएच बाधित हैं।

कैबिनेट मंत्री सुबोध ने अधिकारियों को लगाई फटकार

नई टिहरी। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने नरेन्द्रनगर में निर्माणधीन नगर पालिका के दो मंजिला भवन के साथ समीप में बन रहे ऑडिटोरियम हॉल का निरीक्षण किया। पालिका भवन में कई खामियां मिलने पर मंत्री ने कार्यदायी संस्था लोनिवि के अधिकारियों को फटकार भी लगाई। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने अपने गृह क्षेत्र नरेन्द्रनगर बाजार में बस अड्डे के समीप निर्माणधीन पालिका के दो मंजिला भवन के साथ पास ही बन रहे ऑडिटोरियम हॉल का भी निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने पालिका भवन में कही खामियां पाई, उन्होंने कार्यदायी संस्था लोनिवि के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई, कहा कि भवन निर्माण में जो-जो खामियां हैं, उसे निर्माणदायी संस्था गुणवत्ता के साथ पूरा करें। जिसके बाद मंत्री ने समीप में ही निर्माणाधीन ऑडिटोरियम हॉल का निरीक्षण किया। ऑडिटोरियम हॉल का निर्माण सिंचाई विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता परख कार्य के साथ समय पर भवन और ऑडीटोरियम हॉल का निर्माण कार्य पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। नरेन्द्रनगर नगर पालिकाध्यक्ष राजेंद्र विक्रम पंवार ने कहा कि पालिका के निर्माणधीन भवन में कई प्रकार की खामियां पाई गई है,जब तक कार्यदायी संस्था सभी खामियों को पूरा नहीं करेगी पालिका भवन को अपने हैंडओवर नहीं लेंगी। मौके पर लोनिवि के ईई कमल सिंह, एई मंगल सिंह, आशीष, आशुतोष, साब सिह, सुरेन्द्र पंडीर, धूम सिंह नेगी, प्रभात आदि मौजूद थे।

फ्रीडम फाइटरों के आश्रितों का एसआरटी परिसर में सम्मान

नई टिहरी। गढ़वाल विवि के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल टिहरी की एनएसएस इकाई ने मेरी माटी-मेरा देश, माटी को नमन-वीरों का वंदन कार्यक्रम के तहत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. सुंदर सिंह सजवाण एवं स्व. भाग सिंह मखलोगा के आश्रितों को सम्मानित किया। इस मौके पर परिसर में सघन पौधरोपण भी किया गया। एसआरटी परिसर के राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी प्रो.एबी थपलियाल ने अवगत कराया कि बुधवार को मेरी माटी-मेरा देश, माटी को नमन-वीरों का वंदन कार्यक्रम भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में चंबा क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों में जगदीश सिंह सजवाण एवं हरी सिंह मखलोगा को सम्मानित किया। इस अवसर पर सम्मान कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया। छात्राओं ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों के स्वागत में गान भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. एमएमएस नेगी, एनएसएस के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी प्रो.एबी थपलियाल, सहायक कार्यक्रम अधिकारी डा.प्रेम बहादुर सिंह, डा. अर्पणा सिंह,डा. अनूप सेमवाल, डा. दिनेश सिंह नेगी, पुस्तकालयाध्यक्ष हंसराज बिस्ट, छात्रसंघ अध्यक्ष दीपक गुनसोला, अंकित सजवान, एनएसएस के स्वयंसेवी, बीएड विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कीर्तिनगर में वीर शहीदों के नाम के शिलापट का किया लोकार्पण

श्रीनगर ग ?वाल। कीर्तिनगर तहसील परिसर में मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत वीर शहीदों के नाम का शिलापट का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर पुलिस के जवानों ने स्मारक पर पुष्प अर्पित कर सलामी दी। आ ?ादी का अमृत महोत्सव पर कीर्तिनगर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गौरवशाली इतिहास को याद किया। बुधवार को कीर्तिनगर नगर पंचायत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मेरी माटी, मेरा देश के तहत तहसील क्षेत्र के भारतीय सेना में भारत मां की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले सैनिकों के नाम का शिलापट लगाकर स्मारक की स्थापना की गई। इस अवसर पर देवप्रयाग विधानसभा के विधायक विनोद कण्डारी, नगर पंचायत अध्यक्ष कैलाशी जाखी व उपजिलाधिकारी सोनिया पंत ने संयुक्त रूप से स्मारक का उद्घाटन कर सभी वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव जनता को समर्पित है। कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मजबूत इच्छा शक्ति व सक्रियता से सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी है। इस दौरान राजकीय इंटर कॉलेज कीर्तिनगर की छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कैप्टन हिम्मत सिंह नेगी, कोतवाल कमल मोहन भण्डारी, विजयराम गोदियाल, रणजीत सिंह जाखी, अधिशासी अधिकारी राजेन्द्र सजवाण, नरेंद्र कुंवर, प्रवेन्द्र पंवार, धाम सिंह, नरेंद्र भण्डारी, मनमोहन रावत, विकास दुमागा, जगदम्बा कुमांई व मुकेश उनियाल आदि मौजूद रहे।

एनआईटी अमृत वाटिका में रोपे पौधे

श्रीनगर ग ?वाल। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखं ? में बुधवार को संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी के नेतृत्व में मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत एनआईटी में अमृत वाटिका में रोटरी क्लब के साथ मिलकर पौधों का रोपण किया। मौके पर एनआईटी के निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा शुद्ध हवा, जल एवं अन्य प्राकृतिक सुविधाओं का लाभ लेने के लिए प्रकृति का संरक्षण अति आवश्यक है और इसके लिए पौधरोपण ही एकमात्र विकल्प है। हमें पर्यावरण को अपनी संतान की तरह संरक्षित करना होगा और इसके लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करनी होगी। प्रो. अवस्थी ने एक छात्र, एक पौधा के माध्यम से संस्थान के छात्रों का आह्वान किया कि प्रत्येक छात्र एक फलदार पौधा गोद ले और उसकी देखभाल करे। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ कैंपस के छात्र-छात्राएं स्वच्छ और ताजे फलों का उपयोग कर सकेंगे। इस अवसर पर डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डॉ. कुलदीप सिंह, रोटरी क्लब के अध्यक्ष राहुल कपूर, डॉ. केके गुप्ता, संजय रावत आदि मौजूद रहे।

एसएसपी चौबे ने किया शहर में लगने वाले 58सीसीटीवी कैमरों हेतु स्थलों का निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी। पुलिस विभाग पौड़ी शहर, थाना क्षेत्र में 58 सीसीटीवी कैमरे लगाने जा रहा है। ये कैमरे यातायात व्यवस्था में व्यवधान हो या फिर चोरी से जुड़ी गतिविधियों में मददगार साबित होंगे। मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने शहर में लगाए जाने वाले कैमरों के लिए स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया व विभागीय अफसरो को को आवश्यक निर्देश दिए। भारत सरकार के असिस्टेंस टू स्टेट फार मॉडर्नीजेशन आफ द पुलिस स्कीम के तहत पौड़ी शहर, थाना क्षेत्र में 58 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं। कैमरे पुलिस विभाग के संचार शाखा में बन रहे स्मार्ट एंड इंटेलीजेन्ट कमांड एंड कंट्रोल रुम से जुड़ेंगे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने पौड़ी शहर के बस अड्डा, छत्रीधार, धारा रोड़, जेल गधेरा, अपर बाजार, ऐजेन्सी चौक, सर्किट हाउस तिराहा, कण्डोलिया तिराहा आदि मुख्य-मुख्य स्थानों में एन्ट्री एवं निकासी प्वाइंटों पर लगाये जाने वाले हाई रिजॉल्यूशन वाले सीसीटीवी. कैमरों के स्थलों का निरीक्षण किया गया। इन कैमरों में छह कैमरे ऐसे होंगे जो ऑटोमेटिक ही किसी वाहन के नंबर प्लेट को तत्काल पता करने में सक्षम होंगे। शहर में सीसीटीवी कैमरे लग जाने के बाद न केवल अपराधिक गतिविधियों जैसी वारदातों पर लगाम लगेगी, बल्कि शहर के किस स्थान पर यातायात बाधित है या संदिग्ध व्यक्ति नजर आ रहे हैं यह भी ज्ञात हो सकेगा। एसएसपी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से अभी तक थाना श्रीनगर में तीस, कोटद्वार में छह, लक्ष्मणझूला में 27 हाई रिजॉल्यूशन कैमरे पूर्व में लगाए जा चुके हैं।

आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया अगस्त क्रांति दिवस

विकासनगर। पछुवादून कांग्रेस कमेटी की ओर से अगस्त क्रांति दिवस को आदिवासी गौरव दिवस के तौर पर मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ध्वजारोहण करने के साथ ही आदिवासियों के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। पछुवादून की सीमांत ग्राम पंचायत कुंजाग्रांट कांग्रेस की ओर से आदिवासी समुदाय के लोगों को सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष लक्ष्मी कपरुवाण अग्रवाल ने कहा कि 1942 में आज ही के दिन महात्?मा गांधी ने ब्रिटिश शासन को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के लोगों को उनके वैध अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है। आरोप लगाया कि बीते नौ साल से केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा देश भर में आदिवासी समुदाय के अधिकारों और पहचान पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। कहा कि आदिवासी वर्ग पर भाजपा सरकार और उनके नेताओं द्वारा अत्याचार बढ़ता ही जा रहा है। वो चाहे गुजरात, मध्य प्रदेश की घटना हो या अन्य प्रदेशों की। सभी जगह आदिवासी समुदाय पर जुल्म किया जा रहा है। कहा कि हाल ही में मध्यप्रदेश में एक भाजपा नेता के अमानवीय अपराध से सारी इंसानियत शर्मसार हुई है। यह भाजपा का आदिवासियों और दलितों के प्रति नफरत का घिनौना चेहरा और असली चरित्र है। ऐसे कई प्रकरण है जिससे आदिवासी समुदाय के लोगों को अपमान सहना प?ा है। यह देश के लोकतंत्र पर एक गहरी चोट करता है। कार्यक्रम के दौरान कालूराम, वीर सिंह, फूल सिंह, राम सिंह, मैहर सिंह, छोटा, रामेश्वर, सोहन, सोम सिंह, पूरण, सुमित्रा, करतार सिंह, रामलाल, चमनी, मुन्नी, निशा, श्यामो, मानसी, सोनिया, कमला आदि को सम्मानित किया गया।

विधायक के आश्वासन पर छात्र संघ का धरना समाप्त

विकासनगर। जौनसार बावर परगने की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर पंडित शिवराम राजकीय महाविद्यालय त्यूणी में आंदोलनरत छात्र संघ पदाधिकारियों ने विधायक के आश्वासन पर धरना समाप्त कर दिया। इससे पूर्व छात्रों ने रैली निकाल कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बुधवार सुबह 11 बजे महाविद्यालय परिसर से शुरू हुई रैली मुख्य बाजार, गेट बाजार होते हुए राजकीय इंटर कॉलेज त्यूणी पहुंची जहां छात्रों ने प्रधानाचार्य कक्ष पर ताला जडकर सरकार और शिक्षा विभाग के खिलाफ अपना आक्रोश प्रकट किया। इसके बाद महाविद्यालय परिसर में भी तालाबंदी कर गेट पर धरना दिया। छात्रों ने कहा कि जौनसार बावर में शिक्षा व्यवस्था प्राथमिक स्तर से ही बेपटरी है। कालसी और चकराता ब्लॉक 90 प्राथमिक विद्यालय एकल शिक्षक के सहारे संचालित हो रहे हैं। जबकि कई विद्यालयों में डेढ़ सौ से अधिक छात्र संख्या पर मात्र दो ही शिक्षक तैनात हैं। अधिकांश माध्यमिक विद्यालय प्रधानाचार्य विहीन हैं। आलम यह है कि अटल उत्कृष्ट और आदर्श विद्यालयों में भी शिक्षकों के पद रिक्त हैं। त्यूणी महाविद्यालय में प्राध्यापकों की कमी है। इसके साथ ही महाविद्यालय में पीजी कक्षाओं का संचालन करने की मांग भी शासन से की जा रही है, लेकिन मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। दोपहर दो बजे बाद विधायक प्रीतम सिंह से छात्रों की वार्ता हुई। विधायक ने बताया कि उनकी मांगों को लेकर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से वार्ता हुई है। मंत्री ने जल्द सभी मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। विधायक से वार्ता के बाद छात्रों ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया। रैली में छात्र संघ अध्यक्ष आदित्य जोशी, सचिव शिवानी शोक्टा, अंकित कुमार, गीतिका रावत, कनिका, आरती, सुमन, तन्नू, बॉबी, शीतल, निधि, चंदन आदि शामिल रहे।

अगस्त क्रांति दिवस पर निकली शोभायात्रा, स्वतंत्रता संग्राम की स्मारिका का हुआ विमोचन

अल्मोड़ा। अगस्त क्रान्ति दिवस के अवसर पर बुधवार 09 अगस्त को उत्तराखंड स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के द्वारा शोभायात्रा निकाली गई तथा स्वतन्त्रता संग्राम स्मारिका का विमोचन भी किया गया। शोभायात्रा का शुभारंभ नंदा देवी मंदिर परिसर से किया गया। यात्रा मुख्य बाजार होते हुए हुक्का क्लब से गांधी पार्क तथा रैमजे इंटर कॉलेज तक निकाली गई। इस दौरान गाँधी पार्क में महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। शोभायात्रा में राज्य के सभी जनपदों से सेनानी परिवारों द्वारा प्रतिभाग किया गया। शोभा यात्रा को आकर्षक बनाने के लिए स्कूली बच्चों, छोलिया की प्रस्तुति भी की गई। कार्यक्रम में अल्मोड़ा, बागेश्वर, रानीखेत, द्वाराहाट आदि क्षेत्रों से भी लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के साथ शकुन आखर भी गाए गए। यहाँ स्वतंत्रता संग्राम की स्मारिका का विमोचन प्रदेश अध्यक्ष मयंक शर्मा एवं पूर्व विधायक कैलाश शर्मा ने किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद जोशी, रघुनाथ सिंह चौहान, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, रवि पांडे, कमलेश पांडे, ताराचंद्र शाह, विनोद शर्मा, गिरीश शर्मा, बद्री दत्त पांडे, कैलाश वर्मा, गिरीश चंद जोशी, शोभा बिष्ट, चंदन सिंह परिहार, नवीन पांडे, प्रकाश हरिश्चंद्र सत्यवाली, नरेंद्र चंद्र पंत, उत्तराखंड स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय कुमार गर्ग, प्रदेश महासचिव महिपाल सिंह रावत, राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र रघुवंशी, शिवेंद्र गोस्वामी, भरत पांडे, हितेश तिवारी, अवधेश पंत, सुरेंद्र बुटोला, नवीन चंद्र, नैनीताल जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह कंडारी, सेवानिवृत्त कर्नल रवि पांडे, किशन जोशी, कैलाश जोशी, बिपिन चंद्र जोशी, भगवती नेगी, शिव शंकर बोरा, कैलाश वर्मा, नंदन सिंह कार्की सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। स्मारिका विमोचन के दौरान गोपाल सिंह चम्याल एवं उनकी टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम का संचालन संगठन जिलाध्यक्ष कमलेश पांडे द्वारा किया गया।

महिला में डेंगू की पुष्टि

ऋषिकेश। ऋषिकेश में डेंगू ने दस्तक दे दी है। इंदिरानगर में एक महिला में डेंगू की पुष्टि हुई है। इसके बाद अब स्वास्थ्य से लेकर नगर निगम की टीमें बचाव कार्यों के लिए अलर्ट हो गई है। राजकीय चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. पीके चंदोला के मुताबिक इंदिरानगर निवासी 40 वर्षीय महिला तेज बुखार और शरीर में चकत्ते पकडने की शिकायत लेकर ओपीडी पहुंची। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद चिकित्सक ने डेंगू की आशंका में महिला को जांच कराने की सलाह दी। बुधवार को आई महिला की रिपोर्ट में डेंगू की पुष्टि हुई। सीएमएस ने बताया कि अस्पताल में डेंगू के उपचार और मरीज को भर्ती करने के लिए वार्ड की व्यवस्था पहले से ही है। डेंगू के पहले मामले की जानकारी जिला मलेरिया अधिकारी को भी दे दी गई है। नगर आयुक्त राहुल गोयल ने बताया कि डेंगू के प्रकोप से लोगों को बचाने के लिए सभी क्षेत्रों में फॉगिंग कराई जा रही है। उनसे घर और आसपास खुले में पानी जमा नहीं होने देने की अपील भी की जा रही है।

नाबालिग के अपहरण में केस दर्ज

ऋषिकेश। शिवाजीनगर से एक नाबालिग का अज्ञात शख्स ने अपहरण कर लिया। शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। नाबालिग की बरामदगी और अज्ञात की धरपकड़ को पुलिस ने प्रयास तेज कर दिए हैं। कोतवाली पुलिस के मुताबिक छह अगस्त को शिवाजीनगर क्षेत्र से एक नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों को खोजबीन में पता चला कि एक अज्ञात युवक ने उसका अपहरण कर लिया है। तत्काल उन्होंने एम्स चौकी पहुंचकर पुलिस को शिकायत दी। इस पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 363 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। चौकी प्रभारी मनवर सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई पिता की शिकायत पर की गई है। अज्ञात शख्स की धरपकड़ को पुलिस टीम का गठन किया गया है। जल्द नाबालिग को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

आमबाग में आठ बहुमंजिला भवन सील

ऋषिकेश। विस्थापित आमबाग क्षेत्र में एमडीडीए अवैध निर्माण पर लगातार कार्रवाई कर रहा है। नियम विरुद्ध बन रही आठ निर्माणाधीन इमारतों को प्राधिकरण की टीम ने सील कर दिया है। अभी तक 54 बिल्डिंग सील की जा चुकी हैं। जबकि, आधा दर्जन से ज्यादा बहुमंजिला भवनों को अभी सील किया जाना बाकी है। बुधवार को आमबाग में मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की टीम अधिशासी अभियंता एमके जोशी की अगुवाई में पहुंची। टीम के पहुंचते ही विस्थापित क्षेत्र हड़कंप मच गया। कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने नवीन, रामपाल असवाल, आर्यन, अरविंद कौशिक और मोनू रवीना आदि के निर्माणाधीन बहुमंजिला भवनों को सील कर दिया। चेतावनी दी कि सीलिंग से छेड़छाड़ करने पर संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। अधिशासी अभियंता ने बताया कि इससे पहले 46 निर्माणाधीन भवनों को सील किया गया है। पूरी कार्रवाई हाईकोर्ट के निर्देश पर की जा रही है। क्षेत्र में फिलहाल 64 भवनों को सील किया जाना है।

संक्षिप्त खबरें

पौड़ी में महंगाई-बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन किया

पौड़ी। देश में महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी संस्थानों को उद्योग घरानों के हवाले किए जाने व स्थानीय मुद्दों को हल करने की मांग को लेकर नागरिक हस्तक्षेप मंच के साथ ही विभिन्न संगठनों ने धरना देकर प्रदर्शन किया। उन्होंने मणिपुर हिंसा पर भी चिंता जताई। साथ ही उन्होंने पहाड़ों में पलायन, बंजर होते खेत, बिगड़ती आर्थिक स्थिति आदि मुद्दों पर सरकार की नीतियों का विरोध किया। इस मौके पर नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति सीटू, कांग्रेस व उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी सहित विभिन्न संगठनों ने समिति को समर्थन दिया। बुधवार को पौड़ी के कलक्ट्रेट कार्यालय के समीप स्व. एचएन बहुगुणा मूर्ति स्थल पर विभिन्न संगठनों ने पलायन, बेरोजगारी, महंगाई और बंजर होते खेतों के साथ ही बिगड़ती आर्थिकी आदि मुद्दों को लेकर प्रदेश सरकार की नीतियों को जमकर कोसा। कहा कि केंद्र से लेकर राज्य में डबल इंजन की सरकार की नीतियों से अब लोग परेशान हो चुके हैं। कहा कि जिस तरह से बीते दिनों मणिपुर में हिंसा हुई, वह मानवता को शर्मशार करने वाला है। धरना देते हुए परिवर्तन पार्टी के महासचिव नरेशचंद्र नौडियाल व सीटू के सचिव देवानंद नौटियाल, सीपीआईएम के सचिव सुरेंद्र सिंह रावत, विनोद चमोली ने कहा कि भू माफिया का कब्जा करने, हिंसक जंगली जानवरों, लावारिस पशुओं, बंदरों, सुअरों के आतंक से निजात दिलाने को लेकर धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। कहा कि जिले में कई महत्वपूर्ण भूमियों पर भू माफिया का कब्जा होता जा रहा है। कहा कि प्रदेश के दर्जनों कार्यालयों में कर्मचारियों की कमी है। इस दौरान जिले में हिंसक जंगली जानवरों, कार्यालयों में कर्मचारियों की कमी, यातायात संकट, पार्किंग, बच्चों के खेलने के लिए पार्क की कमी, पर्यटक आवास गृह के अधूरे निर्माण, कंडोलिया पार्क का संचालन बंद आदि मुद्दे भी उठाए गए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस विनोद नेगी, नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, सचिव गब्बर सिंह नेगी, अनीता रावत, भरत सिंह, उपेंद्र, वीरेंद्र सिंह रावत आदि शामिल रहे।

स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

ऋषिकेश। अगस्त क्रांति की वर्षगांठ पर स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने लोगों को अगस्त क्रांति की महत्ता व स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में बताया। बुधवार को रेलवे मार्ग स्थित कांग्रेस भवन में स्वतंत्रता आन्दोलन अगस्त क्रांति की वर्षगांठ पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने अगस्त क्रांति आंदोलन में शहीद हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अगस्त क्रान्ति का दिन एक ऐतिहासिक दिन है। इसी दिन महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत को भारत से निकालने के लिए राष्ट्र को अंग्रेजो भारत छो?ो का नारा दिया, जो पूरे देश में गूंजा और इसी नारे को लगाते हुए लाखों आंदोलनकारियों ने देश की आजादी के लिए आंदोलन में ब?-च? कर भाग लिया। इसे देखकर अंग्रेजी हुकूमत हिल गई और आन्दोलन को क्रूरता से कुचलना शुरू किया। कहा कि कड़े संघर्ष के बाद देश को आजादी मिली। मौके पर सुधीर राय, महंत विनय सारस्वत, विजयपाल रावत, विजय सारस्वत, मदन मोहन शर्मा, चंदन पंवार, शैलेन्द्र बिष्ट, मनीष शर्मा, रवि जैन, विमला रावत, पार्षद भगवान सिंह पंवार, देवेंद्र प्रजापति, विजय लक्ष्मी शर्मा, शकुंतला शर्मा, मधु मिश्रा, सरोज देवराडी, कमलेश शर्मा, प्रदीप जैन, प्यारेलाल जुगरान, त्रिलोकी नाथ तिवारी, बीएस पयाल, अजय शर्मा,राजेंद्र कोठारी, मधु जोशी, चंद्रकांता जोशी अशोक शर्मा, हरिराम वर्मा, ओम सिंह पंवार, राजेश शाह, जतिन जाटव, मनीष जाटव, रामकुमार भरतलिया, रंजीत, राममूर्ति, सावित्री देवी, प्रवीन गर्ग, गौरव अग्रवाल, विश्वजीत अधिकारी, राजेन्द्र जाटव आदि उपस्थित रहे

बुल्लावाला के ग्रामीणों ने किया वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। बुल्लावाला के ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। वे आबादी क्षेत्र में वन्य जीवों के आने से परेशान हैं। उन्होंने प्रदर्शन कर वन्य जीवों की आमद रोकने और ग्रामीणों की क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने की मांग की। जंगल से सटे क्षेत्रों में वन्य जीवों का उत्पात थम नहीं रहा है। यहां आए दिन जंगली जानवर ग्रामीणों की फसलों को रौंद रहे हैं। बुधवार को बुल्लावाला के ग्रामीणों ने रामगढ़ रेंज की वन चौकी में पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि आए दिन जंगल से निकलकर हाथी खेतों तक पहुंच रहे हैं और फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेंद्र ताडयिाल और जावेद हुसैन ने कहा कि वन विभाग पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है, कई वर्षों से विभाग द्वारा यहां के लोगों को आश्वासन पर आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन वन महकमे की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जाती। इसका खामियाजा यहां के किसानों को अपनी फसलों की बर्बादी के रूप में भुगतना पड़ रहा है। यहां लाखों रुपया खर्च कर जंगल किनारे ऊर्जा बाड़ तो लगाई गई है, लेकिन वन विभाग की तरफ से उसकी सही देखरेख न होने की वजह से यह मात्र शोपीस बनकर रह गई है। किसान बैंकों से कर्ज लेकर खेती में खर्च करते हैं। ऐसे में हाथियों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाएं जाने से किसान अपना कर्ज भी चुकता नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि बीती मंगलवार की रात 20-25 हाथियों के झुंड ने क्षेत्र के किसानों की फसलों को रौंद डाला है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और मुआवजा देने की मांग की। वन रेंज अधिकारी जयपाल रावत ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि शीघ्र ही जंगल किनारे खाई खुदान का कार्य शुरू किया जाएगा। इससे हाथियों की आवाजाही आबादी क्षेत्र में बंद हो सकेगी। मौके पर बसारत अली, मेहताब अली, मोहम्मद हनीफ, कन्हैया लाल, बिजेंद्र सिंह, मासूम अली, महफूज अली, जाकिर हुसैन, नवाबुद्दीन, प्रेमानंद बलूनी गोल बहादुर, शहदाब हुसैन आदि रहे।

टाउनशिप योजना लाकर किसानों को बर्बाद करना चाहती है सरकार: हरक सिंह

ऋषिकेश। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने कहा है कि डोईवाला में इंटीग्रेटेड टाउनशिप की योजना से सरकार किसानों का बर्बाद करना चाहती है। सरकार पहले देहरादून में बन रही स्मार्ट सिटी को ठीक से बना ले। बुधवार को डोईवाला में गुरुद्वारे के समक्ष संयुक्त किसान मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत, प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने धरनास्थल पर पहुंचकर किसानों को अपना समर्थन दिया। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत प्रदेश सरकार पर जमकर बरसे। कहा कि सरकार डोईवाला में टाउनशिप बनाने की बात कर रही है, लेकिन अभी तक देहरादून को स्मार्ट सिटी नहीं बना पाई है। वहां सडकें व अन्य समस्याएं हावी हैं। यह सरकार किसानों की जमीन छीनकर उद्योगपतियों को देना चाहती है। लेकिन ऐसा नहीं होने नहीं दिया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि सरकार डोईवाला को कंक्रीट का जंगल बनाने पर तुली हुई है। धरने में किसान नेता सुरेंद्र सिंह खालसा, गुरदीप सिंह, उमेद बोरा, ताजेंद्र सिंह, अब्दुल रज्जाक, हाजी अमीर हसन, सागर मनवाल, गौरव सिंह, सरजीत सिंह, प्रिंस पबला, अजय राजपूत, पूनम, निर्मल कौर आदि मौजूद रहे।